04 - कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन से क्या मजबूत होगा लोकतंत्र?

05 - मनुष्य के लिए प्रेरक है पेंग्वीन का जीवन

A Daily News Magazine

भोपाल

मंगलवार, 20 जनवरी, 2026

06 - हत्या को सड़क दुर्घटना बताने शव को मोटर साइकिल से दबाया

07 - प्रो. डी.के.बेलसरे-प्राणी विज्ञान के एक युग का अंत

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 140, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

इक्कीसवीं सदी में निराशा के नए कर्तव्य : अब गांधी चाहिए

अरुण कुमार त्रिपाठी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया में जिस तरह अमेरिकी साम्राज्यवाद का डंका बजाना शुरू कर दिया है उसे देख कर लगता है कि अंतरराष्ट्रीय निराशा ज्यादा प्रबल है। इक्कीसवीं सदी को गांधी चाहिए, भारत ही नहीं, दुनिया को भी। आज से चौंसठ साल पहले डॉ. राम मनोहर लोहिया ने नैनीताल में 23 जून 1962 को एक व्याख्यान दिया था, जिसका शीर्षक था 'निराशा के कर्तव्य'। उनका कहना था कि उन्हें काफी समय से तीन तरह की निराशा है। एक राष्ट्रीय निराशा, दूसरी अंतरराष्ट्रीय निराशा और तीसरी मानवी निराशा। उनके इस व्याख्यान को आज नए सिरे से पढ़ने और उसकी नए संदर्भों में व्याख्या करने की आवश्यकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया में जिस तरह अमेरिकी साम्राज्यवाद का डंका बजाना शुरू कर दिया है उसे देख कर लगता है कि अंतरराष्ट्रीय निराशा ज्यादा प्रबल है। हमें पहले उसी से लड़ना और सोचना चाहिए। लेकिन अपने देश में अधिनायकवाद, घृणा और नागरिक अधिकारों का दमन जिस पैमाने पर हो रहा है उसे देखकर लगता है कि इसी से लड़ना जरूरी है। तीसरी निराशा मानव के स्वभाव को लेकर है। उसके भीतर करुणा, बंधुत्व, बराबरी और स्वतंत्रता की भावना का जिस तरह से लोप होता गया है उससे तो लगता है कि पहले उसी को जगाया जाना चाहिए।

यह दुविधा पिछली सदी में भी थी और इस सदी में भी है कि हमें अन्यायी ताकतों के आगे झुककर अपना काम निकालना चाहिए या उसका प्रतिरोध करके उससे लड़ना चाहिए। भारत में बीसवीं सदी में भी वैसी शक्तियां थीं जो कहती थीं कि अंग्रेजों की औपनिवेशिक सत्ता से टकराने से कुछ नहीं होगा। वे बहुत न्यायप्रिय हैं और जो देते जाएं उसे लेते जाना चाहिए। संयोग से वे शक्तियां आज भारत में सत्ता में हैं। भारत से बेहतर तो वे यूरोपीय देश हैं जो डेनमार्क के स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड को अमेरिका द्वारा हथियाए जाने का विरोध कर रहे हैं। बर्फीली ठंड में भी ग्रीनलैंड के राजनैतिक दलों ने जोरदार प्रदर्शन किया और कहा कि वे अमेरिका का हिस्सा नहीं बनना चाहते। एक सर्वे में ग्रीनलैंड के 85 प्रतिशत लोगों ने कहा है कि वे अमेरिका में जाने के विरुद्ध हैं। जबकि 6 फीसदी लोग अमेरिका में मिलना चाहते हैं। यूरोपीय संघ के देश जो नाटो के भी सदस्य हैं उनमें डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, नार्वे, स्वीडन, नीदरलैंड, यूनाइटेड किंगडम सभी अमेरिका के इस प्रयास के विरुद्ध हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां ने कहा है कि उन पर किसी भी तरह की धमकी का असर नहीं होगा। न ही ग्रीनलैंड के मामले में और न ही यूक्रेन के मामले में। यूरोपीय संघ अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं करेगा। ग्रेट ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने तो और भी सख्त बयान जारी किया है कि ऐसा कदम पूरी तरह से गलत है। यूरोपीय संघ ने कहा कि इस मामले में शुल्क लगाने से अमेरिका भी गरीब होगा और यूरोपीय संघ भी। नाटो तो टूटेगा ही।

अमेरिकी राष्ट्रपति अपने इरादे पर कायम हैं और कह रहे हैं कि यूरोप के आठ देश ग्रीनलैंड की यात्रा पर जाकर खतरनाक खेल खेल रहे हैं। अमेरिका तो 150 वर्षों से ग्रीनलैंड को खरीदना चाहता है। विडंबना यह है कि भारत में व्यापक मध्यवर्ग इन घटनाओं का मजा ले रहा है। उसके मन में युद्ध की हिंसा और शक्ति के दमनकारी कृत्यों के प्रति भय और चिंता नहीं गजब का आकर्षण है। यह वही वर्ग है जो देश या दुनिया में अन्याय के विरोध में लड़ने वालों को आंदोलनजीवी मानता है और चाहता है कि सरकारें उसे कुचल दें ताकि देश दुनिया में शांति रहे। यह तबका आजादी के बाद देश में अन्याय के विरुद्ध हुए तमाम आंदोलनों को गैर जरूरी मानता है और कभी कभी तो आजादी के पहले के भी आंदोलनों को गैर जरूरी मानता है। उसका मानना है कि गांधीजी अधिक आंदोलन करते थे, इसीलिए मुस्लिम लीग और उसके नेता जिन्ना ने उनसे किनारा करके अलग देश मांगा और गांधी से नाराज अंग्रेजों ने उन्हें वह दे दिया।

ऐसे में सवाल यह है कि किया क्या जाए? एक तरीका तो यह है कि दुनिया में संप्रभुता और आत्म निर्णय के अधिकार का सम्मान करने वाली जो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बनी थी उसकी रक्षा की जाए। ट्रंप के नए साम्राज्यवादी रवैए से जो देश परेशान हैं वे पहल करके संयुक्त राष्ट्र जैसा ही कोई नया संगठन बना सकते हैं। यूरोप में जो सरकारें ट्रंप के खिलाफ गोलबंद हो रही हैं वे अपनी गोलबंदी को दिखावटी न रहने दें बल्कि उसे ताकत प्रदान करें। लेकिन इसके लिए उन्हें रूस और चीन जैसा विस्तारवादी बर्ताव छोड़ना होगा। इसमें संदेह नहीं कि खुमैनीवाद ने भारत में उभर रहे हिंदुत्व के मुकाबले अधिक साम्राज्यवाद विरोधी चरित्र प्रदर्शित किया है। पर उसकी कट्टरता और अपने नागरिकों पर अत्याचार करने की परंपरा डराती है।

दूसरा तरीका पूरी दुनिया में बची खुली कम्युनिस्ट और समाजवादी ताकतों को एकजुट करके प्रतिरोध की नई ताकत खड़ी करने का है। तीसरा तरीका वह है जो गांधी ने सुझाया था। गांधी का संघर्ष केवल ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध नहीं था। गांधी सिर्फ भारत की आजादी की लड़ाई नहीं लड़ रहे थे बल्कि वे ब्रिटेन को भी औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति दिला रहे थे। उस लिहाज से भारत ही नहीं यूरोप और अमेरिका को भी इक्कीसवीं सदी के लिए कोई गांधी चाहिए। ध्यान रहे गांधी कोई अलौकिक और असंभव व्यक्तित्व नहीं थे।

लोहिया के उस कथन का उल्लेख करना आवश्यक है जो वे तत्कालीन कांग्रेस पार्टी के सत्ताधारियों के बहाने कहते थे। कांग्रेस पार्टी के नेताओं का कहना था कि गांधी का काम था अंग्रेजी राज को खत्म करना और हिंदुस्तान को आजाद कराना। इसके अलावा वे गांधी की बातों को एक अद्भुत और अलौकिक व्यक्ति की बातें बताकर यह साबित कर देते हैं कि वैसा काम तो गांधी कर सकते थे और अब वे आने वाले नहीं। निश्चित तौर पर देश और दुनिया को इस तर्क प्रणाली से बाहर निकलना होगा। इससे भी बड़ी बात है अच्छाई को पहचानना और उसके प्रेरणा स्रोत की तलाश करना। वह कहां मिलेगी? वह कैसे मिलेगी? निश्चित तौर पर वह मानव की चिंतन प्रणाली में मिलेगी, उसके डीएनए में मिलेगी और उसके लिए तीव्र गति से भागने और मिसाइलों के प्रयोग से बाहर निकलकर धीमी गति से सोचना और कार्य करना होगा। निराशा के इस नए कर्तव्य के तौर पर हमें एक नैतिक आख्यान खड़ा करना होगा और उसके वाहक नैतिक साहस वाले मनुष्य तैयार करने होंगे।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

शरद की सुबह

उस ने दूर रहने का
मशवरा भी लिखा है
साथ ही मुहब्बत का
वास्ता भी लिखा है

उस ने ये भी लिखा है
मेरे घर नहीं आना
साफ़ साफ़ लफ़्ज़ों में
रास्ता भी लिखा है

कुछ हुरूफ़ लिखे हैं
ज़ब्त की नसीहत में
कुछ हुरूफ़ में उस ने
हौसला भी लिखा है

शुक्रिया भी लिखा है
दिल से याद करने का
दिल से दिल का है कितना
फासला भी लिखा है

क्या उसे लिखें 'मोहसिन'
क्या उसे कहें 'मोहसिन'
जिस ने कर के बे-जाँ,
फिर जान-ए-जाँ भी लिखा है।

– मोहसिन नक़वी

नितिन नबीन निर्विरोध भाजपा अध्यक्ष चुने गए

● नामांकन कराने पहुंचे थे शाह-राजनाथ, गडकरी ● पत्नी दीपमाला बोलीं- पार्टी को हीरे की परख, ● आज औपचारिक होगा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नॉमिनेशन की प्रक्रिया पार्टी हेडक्वार्टर में हुई थी। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी और दूसरे सीनियर नेता मौजूद थे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन निर्विरोध चुने गए हैं। वे पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए भाजपा मुख्यालय में नामांकन दाखिल किया था। नॉमिनेशन की प्रक्रिया पार्टी हेडक्वार्टर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी और दूसरे सीनियर नेताओं की मौजूदगी थी। इन सभी नेताओं ने चुनाव अधिकारी को नितिन के लिए समर्थन पत्र जमा किया था। इधर, नितिन की पत्नी दीपमाला श्रीवास्तव ने कहा, 'केंद्रीय नेतृत्व को पहचान है कि कौन व्यक्ति काम करने में सक्षम, हीरे की परख जौहरी को ही होती है। पार्टी ने हीरा चुनकर निकाल लिया। पार्टी के लिए नितिन ने दिन रात मेहनत की। उनकी मेहनत का फल उन्हें मिल गया।'

पिछले 6 महीने में 3 प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए- पिछले 6 महीने में तीन राज्यों में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए हैं। जुलाई में हेमंत खंडेलवाल को एमपी का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया था। उसके बाद दिसंबर में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और सात बार के लोकसभा सांसद पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष चुन गया था।

ऐसे चुना जाता है अध्यक्ष

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव राष्ट्रीय परिषद करती है, जिसमें लगभग 5,708 सदस्य शामिल हैं। इसमें राष्ट्रीय परिषद और सभी राज्य परिषदों के सदस्य शामिल होते हैं, जो देश के 30 से अधिक राज्यों से आते हैं। लेकिन अगर केवल एक नामांकन होता है, तो मतदान की जरूरत नहीं होगी।

चांदी पहली बार 3 लाख के पार, 14 हजार बढ़ी

● 1 महीने में 2 से 3 लाख हुई कीमत, 2026 में 4 लाख तक जा सकते हैं दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। चांदी के दाम 19 जनवरी को एमसीएक्स पर 3 लाख रुपए प्रति किलो पहुंच गए हैं। इसमें 14 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी आई है। शुक्रवार को चांदी 2.87 लाख के करीब थी। एमसीएक्स पर 15 दिसंबर 2025 के आसपास चांदी पहली बार 2 लाख रुपए पर पहुंची थी। यानी चांदी को 2 लाख से 3 लाख रुपए तक पहुंचने में सिर्फ 1 महीने का समय लगा। वहीं इसे 1 से 2 लाख तक पहुंचने में 9 महीने, जबकि 50 हजार से 1 लाख तक पहुंचने में 14 साल लगे थे।

प्रदेश में निवेश, उद्योग और रोजगार के लिए सभी प्रकार की अनुकूलताएं हैं उपलब्ध

युवाओं को सक्षम बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वामी विवेकानंद की यह भविष्यवाणी कि 21वीं सदी भारत की होगी, आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार होती दिखाई दे रही है। प्रत्येक वैश्विक मंच पर भारत ने अपनी साख स्थापित की है और प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्व के सबसे प्रभावशाली

● पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने प्रत्येक वैश्विक मंच पर स्थापित की अपनी साख

● मुख्यमंत्री को दिल्ली में मध्यांचल उत्सव के आयोजकों द्वारा पुस्तिका भेंट की गई

नेताओं में शामिल हैं। भारत आज विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जो विश्व का सबसे युवा लोकतांत्रिक देश है और प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रभावी रूप से इस युवा लोकतंत्र का नेतृत्व कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के कोने-कोने से आए युवा संगठित होकर दिल्ली में अध्ययन कर रहे हैं, यह प्रदेश के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि इतने बड़ी संख्या में प्रदेश के युवाओं से हुई भेंट ने उनकी दिल्ली यात्रा को सार्थक बना दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के शंकरलाल सभागार में मध्यप्रदेश के अध्ययनरत छात्रों के संगठन

मध्यांयल स्टूडेंट एसोसिएशन द्वारा आयोजित मध्यांचल उत्सव-2026 को संबोधित कर रहे थे। मध्यांचल उत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के सबसे कम बेरोजगारी वाले राज्यों में शामिल है और राज्य सरकार हर कदम पर युवाओं के साथ है। युवाओं को सक्षम बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में निवेश, उद्योग और रोजगार के लिए सभी प्रकार की अनुकूलताएं उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा हमारा लक्ष्य है कि मध्यप्रदेश का युवा जॉब सीकर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर बनें। युवा, कृषि-टेक्नोलॉजी एवं चिकित्सा जैसे सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ें, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सहित विश्व स्तर पर हो रहे सभी नवाचारों में दक्ष हो और देश और प्रदेश को सशक्त बनाने में अपना योगदान दें, यही हमारा लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य की उपलब्धियों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि राज्य में सिंचाई के रकबे में वृद्धि हुई है। आगामी 5 वर्षों में प्रदेश का बजट दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पीपीपी मॉडल के तहत अधिक से अधिक मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे। सरकार का लक्ष्य नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के माध्यम से राज्य में चिकित्सकों की संख्या बढ़ाना है। उन्होंने बताया राज्य में टेक्सटाइल उद्योग स्थापित करने पर प्रतिमाह 5 हजार प्रति श्रमिक के लिए सरकार द्वारा सहयोग राशि दी जाएगी, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि युवाओं को सहयोग देने के विशेष प्रावधान राज्य सरकार की नीतियों में किए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश बिजली सरप्लस स्टेट है और रिन्यूएबल एनर्जी में सबसे कम दर पर बिजली उपलब्ध कराई जा रही है, जिसकी दर मात्र 2 रुपये 10 पैसे है, जो कि देश में सबसे कम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली कह मेट्रो मध्यप्रदेश की बिजली से चल रही है। राज्य में माइनिंग सेक्टर में तेजी से कार्य हो रहा है और जैव विविधता के मामले में भी प्रदेश अग्रणी है। भोपाल के बड़े तालाब में शिकारे चलाए जा रहे हैं और फिल्म व पर्यटन नीति के माध्यम से निवेशकों व युवाओं को विशेष लाभ दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यांचल छात्र संगठन को इस विशेष आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी छात्र इसी प्रकार संगठित होकर सकारात्मक कार्य करते हुए प्रदेश व देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाते रहें।

मध्यांचल उत्सव को संबोधित करते हुए श्री श्याम टेलर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की प्रगति की गति दोगुनी हुई है। मां नर्मदा का प्रवाह और बाबा महाकाल मध्यप्रदेश की पहचान हैं। दिल्ली में अध्ययनरत युवाओं द्वारा प्रदेश की कला-साहित्य-शालीनता और सभ्यता के संगम के रूप में आयोजित मध्यांचल उत्सव का आयोजन सराहनीय पहल है। मध्यप्रदेश के युवाओं ने कभी भी अलगाव के विचार से कार्य नहीं किया। सदैव सहयोगात्मक व्यवहार ही उनकी पहचान रहा।

टैंकर और ट्रेलर की भिड़ंत के बाद लगी भीषण आग

● जयपुर-दिल्ली हाईवे पर 1 किलोमीटर तक केमिकल रिसाव

कोटपूतली-बहरोड़ (एजेंसी)। कोटपूतली-बहरोड़ जिले के पावटा में जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे (एनएच-48) पर केमिकल से भरे टैंकर और ट्रेलर में भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद टैंकर में भरा केमिकल 1 किलोमीटर तक सड़क पर फैल गया। इस दौरान दोनों वाहनों में आग लग गई।

गनीमत रही कि दोनों वाहनों के ड्राइवर समय रहते बाहर निकल गए। गाड़ियों में लगी आग केमिकल रिसाव के कारण करीब 400 मीटर तक फैल गई। इस दौरान सड़क पर ट्रैफिक रोक दिया गया।

अखिलेश के सौतेले भाई प्रतीक यादव पत्नी से तलाक लेंगे!

● अपर्णा के लिए इंस्टाग्राम पर लिखा- स्वार्थी महिला ने मेरा परिवार बर्बाद कर दिया

लखनऊ (एजेंसी)। मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक अपनी पत्नी और भाजपा नेता अपर्णा यादव से तलाक लेंगे। प्रतीक ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपर्णा से रिश्ते खत्म करने का ऐलान किया। उन्होंने लिखा- मैं इस स्वार्थी औरत से जल्द से जल्द तलाक लेने जा रहा हूं। इसने मेरे पारिवारिक रिश्ते बर्बाद कर दिए। इसका एकमात्र लक्ष्य है मशहूर और प्रभावशाली बनना। इस समय मेरी मानसिक स्थिति बहुत खराब है। इसे कोई परवाह नहीं। इसे सिर्फ अपनी ही चिंता है। मैंने कभी ऐसी बुरी आत्मा नहीं देखी। मेरा दुर्भाग्य था कि मैंने इससे शादी की।अपर्णा इस वक्त भाजपा में हैं, और उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। प्रतीक (38) ने अपर्णा (36) से 14 साल पहले लव मैरिज की थी।

'2 बेटियों की मां हूं, पति ने घर से निकाल दिया'

● सीएम योगी ने बेघर की गई सीमा को दिया न्याय का भरोसा

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार की सुबह 'जनता दर्शन' में न्याय की उम्मीद लेकर पहुंची एक महिला की समस्या पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। सीमा नाम की इस महिला का कहना था कि वो दो बेटियों की मां हैं और उन्हें ससुराल के लोगों ने घर से निकाल दिया है। घर से निकालने वालों में उनका पति भी शामिल है। महिला की समस्या पर सीएम योगी ने लखनऊ के पुलिस कमिश्नर को निर्देश देते हुए कहा कि इस मामले में तुरंत उचित कार्रवाई की जाए।

छत्तीसगढ़-झारखंड बॉर्डर पर बस पलटने से 10 मौतें

बलरामपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा पर ओरसा घाट में स्कूल बस पलटने से मौत का आंकड़ा बढ़कर 10 हो गया। मृतकों में 5 महिलाएं और 5 पुरुष शामिल हैं। हादसे 78 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 19 की हालत गंभीर है।

घायलों को गुमला और रांची के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसा झारखंड के लातेहार जिले के महुआडांड थाना क्षेत्र में हुआ।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c

न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 20 जनवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अर्थ तंत्र को सुप्रबंधित और सशक्त करते डॉ. मोहन यादव

सत्येंद्र कुमार जैन

विश्व के महानतम अर्थशास्त्री कौटिल्य के अनुसार प्रजा के सुख में राजा का सुख निहित है। इसलिए राजा को -

तस्मान्नित्योत्थितो राजा,कुर्यादर्थानुशासनम् ।

अर्थस्य मूलमुत्थानमनर्थस्य विपर्ययः ।।

अर्थात् राजा सदैव उद्यमशील रहकर,अर्थमूल में वृद्धि करे। इसके विपरीत कार्य अनर्थ या हानि के कारण बनते हैं ।

कौटिल्य के इस मंत्र को आत्मसात करते हुए भाजपा की डॉ. मोहन यादव सरकार प्रगति पथ पर अग्रसर है।अर्थ तंत्र को उन्नत कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल वित्तीय सुप्रबंधन द्वारा राज्य का अर्थ तंत्र उन्नत हो रहा है, सशक्त हो रहा है। वित्त विभाग द्वारा श्रेष्ठ वित्तीय प्रबंधन मानकों को अपनाकर शून्य आधारित बजट प्रक्रिया के अनुसार बजट तैयार किया जा रहा है। तीन वर्षों के लिये रोलिंग बजट की प्रक्रिया अपनाई गई है, जिसमें बजट प्रक्रिया से संबंधित नवाचार अपनाएं जा रहे हैं। वित्तीय संस्थाओं द्वारा जारी प्रतिवेदनों में मध्यप्रदेश के वित्तीय प्रबंधन,बजटीय विश्वसनीयता तथा गुणवत्ता को सराहा गया है। दूरदर्शी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 5 वर्षों में बजट के आकार को दोगुना कर वर्ष 2028-29 तक 7 लाख करोड़ रुपये करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पूंजीगत निवेश को बढ़ाना,सड़क विस्तार एवं संधारण, सिंचाई क्षेत्रफ़ल जल संचय क्षमता विस्तारण,बिजली,सौर,पवन ऊर्जा उत्पादन,वितरण सुविधा का विस्तार, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा का विकास और उद्योग,रोजगार के अवसर वृद्धि हेतु,निवेश आकर्षित करने आदि के लक्ष्यों को पूर्ण कर,विकसित भारत निर्माण के परम लक्ष्य में योगदान देना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश में पूंजीगत व्यय में निरंतर, सतत वृद्धि की जा रही है।पूंजीगत व्यय से राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर, अवसंरचना में गुणात्मक वृद्धि हुई है।वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पूंजीगत व्यय,केपिटल एक्सपेंडिचर लगभग 85 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रभावी पूंजीगत व्यय लगभग 90 हजार करोड़ रुपये है। प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में नियमित वृद्धि बनी हुई है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 15 लाख 03 हजार 395 करोड़ रूपये रहा एवं प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 52 हजार 615 रूपये रही है। वर्तमान वित्त वर्ष में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 17 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आर्थिक संकल्पों को उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा पूर्ण मनोयोग से सिद्ध कर रहे हैं। वर्तमान में वित्तीय मानकों के आधार पर प्रदेश की स्थिति अत्यधिक सुदृढ़ है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशन में संचालनालय कोष एवं लेखा द्वारा अनेक नवाचार लागू किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की आर्थिक शुचिता और नवाचार के कारण लगभग 50 वर्षों से प्रचलित व्यवस्था को समाप्त किया गया है जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान में मुख्यमंत्री एवं समस्त मंत्री स्वयं ही आयकर का भुगतान कर रहे हैं। पूर्व में मुख्यमंत्री, मंत्रीगणों, मुख्य सचिव का वार्षिक आयकर,शासकीय कोष द्वारा वहन किया जाता था।

वाणिज्यिक कर अर्थव्यवस्था को सुप्रबंधित, सशक्त कर रहा है। वाणिज्य कर द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में 55 हजार 634 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। वर्ष 2025-26 में माह नवम्बर तक कुल 34 हजार 829 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। वर्ष 2025-26 में माह नवम्बर तक डाटा एनालिटिक्स आधारित चिन्हित प्रकरणों में प्रवर्तन कार्यवाहियों से रुपये 967 करोड़ एवं ऑडिट की कार्यवाही से रुपये 404 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है।

नवाचारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शी पहल द्वारा मध्य प्रदेश, देश का प्रथम राज्य बन गया है जहाँ पंजीयन विभाग में 75 प्रकार के दस्तावेज पट्टा, पॉवर ऑफ अटर्नी, बंधक इत्यादि का घर बैठे वीडियो केवायसी के माध्यम से पंजीयन किया जा रहा है। पंजीयन विभाग के सॉफ्टवेयर संपदा 2.0 को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2025 में स्वर्ण पदक मिला है। प्रदेश के 8 करोड़ से अधिक नागरिकों के लिये यह गौरव का विषय है।पंजीयन विभाग को वर्ष 2023-24 में 10 हजार 325 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।वर्ष 2024-25 में 11 हजार 355 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। वर्ष 2025-26 में 13 हजार 920 करोड़ रूपये का लक्ष्य रखा गया है। नवंबर 2025 तक 7 हजार 580 करोड रूपये का राजस्व प्राप्त हो गया है।प्रतिवर्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

विभिन्न विभागों में अनेक आर्थिक सुधारों एवं नवाचारों को अपनाकर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के अर्थ तंत्र को, अर्थमूल को बढ़ा रहे हैं।

इति श्री।

कर्नल सोफिया कुरैशी के मामले में सुप्रीम फैसला

- 'एमपी सरकार दो सप्ताह में मंत्री विजय शाह पर ले निर्णय': सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली (एजेंसी)। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। शाह की ऑनलाइन माफी पर सोमवार को कोर्ट ने कहा कि इसमें अब बहुत देर हो गई है। कोर्ट ने राज्य

सरकार को निर्देश दिया कि शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने पर 2 हफ्ते के भीतर फैसला लें। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने इस बात पर कड़ी नाराजगी जताई कि राज्य सरकार विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट पर कई महीनों से कोई फैसला नहीं ले रही है। जबकि विशेष जांच दल ने अपनी जांच पूरी कर ली है और अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी है।

प.बंगाल एसआईआर की याचिकाओं पर सुनवाई

- चुनाव आयोग 'गलत नाम' श्रेणी वाले वोटर्स की जांच पूरी निष्पक्षता से करे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को पश्चिम बंगाल में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा- वोटर्स को 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' के नाम पर

नोटिस भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि नोटिस में पिता-पुत्र की उम्र के अंतर, नामों की स्पेलिंग (खासतौर पर बंगाली नामों) पर सवाल हैं। इसलिए पूरी लिस्ट सार्वजनिक की जाए और सभी बीएलओ को सुधार प्रक्रिया में मदद की जाए। ईसीआई के वकील ने कोर्ट को बताया कि 1.25 करोड़ लोगों को लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी को नोटिस भेजे गए हैं। इस पर कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया, 'सिर्फ तर्क के आधार पर आम लोगों को परेशान नहीं किया जा सकता। जिन लोगों को 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' के आधार पर नोटिस भेजे गए हैं, उनकी लिस्ट पंचायत और ब्लॉक ऑफिस में सार्वजनिक की जाए। की प्रक्रिया जरूरी हो सकती है, लेकिन यह पारदर्शी, समयबद्ध और आम लोगों के लिए असुविधाजनक नहीं होनी चाहिए।

सनसनीखेज हत्याकांड से दहला एटा

- डॉक्टर परिवार के चार सदस्यों की बेरहमी से हत्या

एटा (एजेंसी)। शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला प्रेमी में सोमवार दोपहर दो बजे एक डॉक्टर 60 वर्षीय गंगा सिंह, उनकी पुत्रवधू 40 वर्षीय रत्ना और 12 वर्षीय पौत्री ज्योति की ईंटों व वजनदार हथियारों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। गंगा सिंह पेशे से आंखों के डॉक्टर थे। डॉक्टर की पत्नी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। चार हत्याओं के बाद एएसपी मौके पर पहुंचे।

क्रूरता के इस दौर में कला से ही उम्मीद : प्रो. गोहिल

भोपाल। आशा पारस फॉर पीस एंड हार्मनी फाउंडेशन द्वारा विचारोत्तेजक सिने आयोजन सिनेमा नज़र से नज़र तक का आयोजन रविवार शाम किया गया। संवाद में सिनेमा और कला के महत्व पर ज़ोर देते हुए फ़िल्म निर्देशक, सिनेमेटोग्राफर एवं स्क्रीनप्ले राइटर प्रो. राजीव गोहिल ने कहा कि व्यावसायिक सिनेमा चाहे कितनी प्रगति कर ले, समाज की उम्मीद कला और यथार्थवादी सिनेमा से ही बनी रहेगी।

इस सत्र का संवाद सूत्र पत्रकार एवं स्तंभकार पंकज शुक्ला ने थामा। संवाद के पहले दो सशक्त और समकालीन विषयों पर आधारित फ़िल्मों 'प्यास' और 'ग्वावा - ए मॉब लिंचिंग' का प्रदर्शन किया गया। फिल्म प्यास का निर्देशन सूर्यान्शु सक्सेना ने किया है। यह एक नौजवान अर्जुन की मार्मिक कहानी है, जो परंपरा और सही कर्म के बीच स्वयं को गहरे द्वंद्व में पाता है। पुजारी बनने की राह पर खड़ा अर्जुन अपने अस्तित्व, आस्था और विश्वासों से जूझता है। यह फ़िल्म उसकी उस परिवर्तनकारी यात्रा को दर्शाती है, जो उसके स्थापित विश्वासों को तोड़ते हुए उसे

जीवन के वास्तविक उद्देश्य की ओर ले जाती है। दूसरी फिल्म 'ग्वावा - ए मॉब लिंचिंग' का निर्देशन राहुल शर्मा (राहुल्य) ने किया। अंतरराष्ट्रीय सितार वादिका स्मिता नागदेव के संगीत से सजी इस मार्मिक मूक लघु फ़िल्म 'ग्वावा - ए मॉब लिंचिंग' को प्रतिष्ठित खजुराहो अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव 2025 में आधिकारिक स्क्रीनिंग के लिए चुना गया है। 14 मिनट की यह फ़िल्म फ़िल्म भारत में बढ़ती भीड़ हिंसा की भयावह सच्चाई पर एक गहरी और झकझोर देने वाली टिप्पणी है। फ़िल्म की चुप्पी इसकी भावनात्मक तीव्रता को और अधिक प्रभावशाली बनाती है। राग मियां की तोड़ी पर आधारित बैकग्राउंड म्यूज़िक, जिसमें सितार और तबले का सशक्त प्रयोग किया गया है, फ़िल्म को एक गहरे संवेदनात्मक लोक में ले जाता है। न्यूनतम साधनों के बावजूद, यह फ़िल्म मानव गरिमा, गलत सूचना और क़ानून को अपने हाथों में लेने के विनाशकारी परिणामों पर एक सार्वभौमिक संदेश देती है।

आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन, भारत के प्रो. आशा शुक्ला, प्रो. आरके शुक्ला, डॉ. वीणा सिन्हा ने इस आयोजन को रचा। संचालन विशाखा राजुरकर और अपर्णा पात्रिकर ने किया।

सोनमर्ग में पारा माइनस 8.9 डिग्री, हिमाचल में बर्फबारी

- यूपी के अलीगढ़ में ओले गिरे, 4 दिन में 9 राज्यों में मौसम और बिगड़ने की आशंका

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ/जयपुर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के कारण पारा लगातार माइनस में बना हुआ है। सोनमर्ग घाटी का तापमान -8.9 डिग्री, श्रीनगर का -4.7 डिग्री, शोपियां का -6.7 डिग्री और पहलगाम में -6 डिग्री रहा। हिमाचल प्रदेश के ऊंचे पहाड़ी बर्फबारी हुई। पंजाब के अमृतसर का तापमान 1.7 डिग्री रहा।

उत्तर के मैदानी राज्यों में पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, चंडीगढ़, हरियाणा, यूपी में सर्दी का असर है। इन इलाकों में घना कोहरा छाया है। पंजाब के हलवारा में सुबह से विजिबिलिटी जीरो है। वहीं, यूपी में अचानक मौसम पलट गया है। लखनऊ-बाराबंकी समेत कई शहरों में सोमवार सुबह बारिश हुई। अलीगढ़ में ओले गिरे हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है। इससे 23 जनवरी से 9 राज्यों और केंद्र शासित

प्रदेशों, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम और बिगड़ सकता है। राजस्थान, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। इससे ठंड और बढ़ेगी। मध्य प्रदेश में अगले 2 दिन तेज ठंड से राहत है। बादल छाए, बारिश के आसार दिख रहे हैं।

जैश के 3 आतंकियों की तलाश दूसरे दिन भी जारी

किश्तवाड़ (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों की तलाश के लिए जारी ऑपरेशन त्राशी-1 के बीच रविवार को 8 घायल जवानों में से एक की सोमवार को मौत हो गई। मृतक जवान की पहचान हवलदार गजेंद्र सिंह के रूप में हुई है।

आईएमएफ ने भारत का जीडीपी ग्रोथ अनुमान बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत किया

- कहा- भारत की विकास दर उम्मीद से बेहतर, अगले साल भी अर्थव्यवस्था में तेजी रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (आईएमएफ) ने सोमवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 0.7 प्रतिशत बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले अक्टूबर में आईएमएफ ने इसके 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। आईएमएफ ने अपनी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा है कि भारत में विकास दर उम्मीद से कहीं बेहतर रही है। खासतौर पर वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी और चौथी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत पकड़ दिखाई है, जिसका असर पूरे साल के आंकड़ों पर दिखेगा।

2026-27 के लिए भी बढ़ाया अनुमान

आईएमएफ ने सिर्फ इस साल ही नहीं, बल्कि अगले वित्त वर्ष के लिए भी ग्रोथ अनुमान बढ़ाया है। 1 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया गया है। हालांकि, संस्था का यह भी कहना है कि 2027-28 तक ग्रोथ फिर से 6.4 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो सकती है, क्योंकि कुछ समय के लिए असर दिखाने वाले 'टेंपरेरी फैक्टर्स' का प्रभाव तब तक कम हो जाएगा।

अमेरिकी धमकी के बाद 7 देशों के सैनिक ग्रीनलैंड पहुंचे

डेनमार्क (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकियों के बाद यूरोपीय देश एकजुट हो गए हैं। कई नाटो सदस्य देशों ने ऑपरेशन आर्कटिक एंड्योरेंस नाम से एक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया है। इसके लिए यूरोपीय देशों में फ्रांस ने 15 सैनिक ग्रीनलैंड भेजे हैं, जो 27वीं माउंटेन इन्फैंट्री ब्रिगेड से हैं।

सड़क किनारे खड़े 4 लोगों को कार ने रौंदा

महेश्वर में हार्डवेयर व्यापारी की मौत, बाइक सवार पिता-पुत्री घायल

महेश्वर (खरगोन) (नप्र)। खरगोन जिले के महेश्वर (धरगांव) में सोमवार सुबह 9 बजे तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े चार लोगों और एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पिता-बच्ची सहित तीन अन्य लोग घायल हैं। घटना सुलगाव फाटे पर यशराज कॉलोनी के सामने हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धरगांव निवासी हार्डवेयर व्यापारी मुन्ना कर्मा (55) अपनी बाइक से लाल मिर्ची खरीदने सुलगाव फाटे पहुंचे थे। बड़वाह की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें और वहां खड़े शांतिलाल पाटीदार को टक्कर मार दी। इसी दौरान झापड़ी निवासी शुभम और उनकी 5 साल की बेटी भी मोटरसाइकिल से जाते समय कार की चपेट में आ गए।

नीम के पेड़ से टकराकर रुकी- टक्कर इतनी भीषण थी कि कार घटना स्थल से करीब आधा किलोमीटर दूर जाकर एक नीम के पेड़ से टकरा कर रुकी। हादसे के बाद ड्राइवर कार छोड़कर मौके से फरार हो गया।

डॉक्टर बोलीं- मरीजों की हालत गंभीर- मंडलेश्वर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मेडिकल ऑफिसर डॉ. किरण वर्मा ने बताया कि सुबह तीन मरीजों को अस्पताल लाया गया था। मुन्ना कर्मा की हालत गंभीर थी, उनके शरीर में कई जगह गंभीर फ्रैक्चर और चोटें थीं। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनके शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। शांतिलाल पाटीदार के पैर में फ्रैक्चर होने के कारण वे स्वयं धामनोद इलाज के लिए चले गए हैं। मामूली रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

पुलिस ने कार जब्त की- हादसे के बाद पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है और जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी दीपक यादव ने बताया कि पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है। घटना के समय गाड़ी कौन चला रहा था, यह स्पष्ट करने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी जुटाई जा रही है।

पीएम मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए यूएई के राष्ट्रपति का किया स्वागत

एक ही गाड़ी से हुए रवाना, शेख मोहम्मद बिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान सोमवार को भारत पहुंचे जिनका स्वागत खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि वह शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का स्वागत करके खुद एयरपोर्ट पहुंचे।

पीएम मोदी ने स्वयं की आगवानी- पीएम मोदी ने एक्स पर फोटो आगवानी की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'अपने भाई, यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट गया'। उनकी यह यात्रा दिखाती है कि वह भारत-यूएई की मजबूत दोस्ती को कितनी अहमियत देते हैं। हमारी बातचीत का इंतजार है। बहरहाल, मध्य पूर्व में चल रही भारी उथल-पुथल के बीच उनका यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है, हालांकि यह बहुत ही छोटा महज दो घंटे का होगा। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक करेंगे और बातचीत खत्म होते ही शाम 6 बजे के आसपास दिल्ली से रवाना हो जाएंगे।

राहुल गांधी बोले

आरएसएस-भाजपा कुछ बिजनेसमैन के हाथों देश बेचना चाह रही

- ये चाहते हैं कि लोग सवाल न करें, कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि आरएसएस और भाजपा चाहती है कि जनता सवाल न करें और चुप रहें, ताकि यह कुछ बिजनेसमैन के हाथों देश को बेच सकें।

राहुल केरल के कोच्चि में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम ऐसा बिल्कुल नहीं होने देंगे। कांग्रेस ही संविधान को बचा सकती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने संविधान में बदलाव करके पंचायत, जिला और राज्य स्तर पर शासन को मजबूत किया। संविधान बचाने का मतलब है सत्ता और फैसलों का अधिकार लोगों तक पहुंचाना। राहुल ने कहा कि आरएसएस और भाजपा सत्ता को अपने पास ही रखना चाहती हैं, लेकिन कांग्रेस सत्ता को नीचले स्तर तक पहुंचाने में भरोसा रखती है और गांव-कस्बों में लोकतंत्र को मजबूत करना चाहती है।

इससे पहले राहुल ने एक कार्यक्रम में कलामासेरी में डॉ. एम लीलावती को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रियदर्शिनी साहित्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि कोई भी देश अगर चुप रहता है तो वो महान नहीं हो सकता। चुप रहने की संस्कृति में लालच की भावना छुपी होती है।

केंद्रीय जेल की महिला प्रहरी पर जानलेवा हमला

बेहोशी की हालत में बीच सड़क पर फेंक दिया, एफआईआर दर्ज

भोपाल (नप्र)। भोपाल के केंद्रीय जेल में पदस्थ महिला प्रहरी पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। सिर में गंभीर चोट के चलते महिला को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़िता ने हमले का आरोप सहकर्मी के बेटे और परिजनों पर लगाया है। आरोप है कि पूरी वारदात को गबन की शिकायत करने से नाराज होकर अंजाम दिया गया है। गांधी नगर पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है।

महिला प्रहरी कमला शर्मा पर गुजरे शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब दो बजे ड्यूटी से घर लौट रही थीं। जेल से बाहर निकलते ही मुख्य मार्ग पर महिला के सहकर्मी शरीफ खान के बेटे अमन खान ने उनके सिर में पीछे से रॉड से हमला कर दिया। इससे वे बेहोश हो गईं, अमन ने वारदात के बाद बदहवास महिला को घसीटकर सड़क के बीच में लेटादिया।

जिससे वह किसी वाहन की चपेट में आए और पूरी घटनाक्रम एक्सीडेंटल नजर आए। हालांकि एक अन्य वाहन चालक ने घटनाक्रम को देखने के बाद महिला को अस्पताल में भर्ती करा दिया। पीड़िता के बयानों के आधार पर गांधी नगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। अमन की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, युवक की मौत

काम निपटाकर घर लौट रहा था, तभी हादसा हुआ

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अरेरा हिल्स इलाके में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद एम्बुलेंस से घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। एमपी नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर आरोपी कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

कार के रजिस्ट्रेशन में दर्ज पते के आधार पर पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। नाथू बरखेड़ा, रातीबड़ निवासी सतीश पिता कुंदीलाल मेहरा (45) प्राइवेट ड्राइवर था। वह रविवार शाम किसी काम से एमपी नगर इलाके में आया था। काम निपटाने के बाद वह अपनी बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान शौर्य स्मारक गेट नंबर-2 के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

झालावाड़ पुलिस ने भोपाल के बंधक युवक को मुक्त कराया

मेडिकल परीक्षण के बाद बयान दर्ज होंगे, प्रेमिका के बुलाने पर गया था

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार में रहने वाले युवक को झालावाड़ में प्रेमिका के परिजनों ने बंधक बना लिया था। एमपी पुलिस के इनपुट के बाद रविवार की रात को राजस्थान पुलिस ने युवक को मुक्त करा लिया है। पुलिस का कहना है कि युवक का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है।

इसके बाद उसके बयानों को दर्ज किया जाएगा। मेडिकल रिपोर्ट और बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। वहीं युवक के परिजन रविवार की रात को झालावाड़ के लिए रवाना हो गए हैं। सोमवार तक युवक परिजनों के साथ भोपाल लौट सकता है।

रविवार दोपहर युवक के परिजन भोपाल के कोलार थाने पहुंचे थे। परिजनों का दावा है कि बोतल में पेशाब भरकर पिलाया गया। जिसके बाद भोपाल पुलिस ने राजस्थान पुलिस को इनपुट दिया। इस सूचना के बाद राजस्थान पुलिस ने बंधक युवक को मुक्त करा लिया।

रेस्टोरेंट के करीब महिला का शव मिला

चेहरे पर चोटों के निशान, बेटी के घर से लौटते समय लापता हुई

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ईंटखेड़ी में कवाबची रेस्टोरेंट के पास बुजुर्ग महिला का शव मिला है। उनके चेहरे पर चोटों के निशान हैं। रविवार को महिला करोंद में रहने वाली बेटी के घर मिलने गई थीं। रात के समय वहां से घर लौटने का बोलकर निकलीं। इसके बाद रहस्यमय हालातों में लापता हो गईं। परिजन उनकी तलाश करते रहे, इसी बीच सोमवार की सुबह उनकी बॉडी बरामद की गई। परिजनों की मौजूदगी में शव का पीएम करा लिया गया है। पुलिस का कहना है पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय करेंगे। परवीन (61) पति सईद खान अरवलिया थाना ईंटखेड़ी क्षेत्र में रहती थीं। वे आंगनबाड़ी में जॉब करती थीं और पिछले साल रिटायर्ड हुई हैं। उनके 6 बेटे और दो बेटियां हैं। करोंद इलाके में रहने वाली बेटी से मिलने का बोलकर रविवार की शाम को घर से निकली थीं। बेटी के घर पहुंची, वहां रात का खाना बेटी-दामाद के साथ खाया और रात 9:30 बजे बेटी के घर से अपने घर जाने का बोलकर रवाना हो गईं।

शरीर पर मिले चोटों के निशान

इसके बाद देर रात तक जब घर नहीं लौटीं तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। कई कॉल करने पर भी उनका फोन नहीं उठ रहा था। तमाम परिजनों और परिचितों के घर तलाशने के बाद भी जब महिला नहीं मिलीं तो थाने में सूचना दी गई। इसी बीच सोमवार तड़के उनकी बॉडी कवाबची रेस्टोरेंट के करीब मिली। उनके शरीर पर चोटों के निशान हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

बिस्तर पर बेसुध हालत में मिला शव, गला दबाकर हत्या करने का आरोप

भोपाल (नप्र)। भोपाल के छोला मंदिर इलाके में महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सोमवार तड़के उसका शव बिस्तर बेसुध हालत में मिला था। महिला की शादी 14 महीने पहले हुई थी। मौत से पहले उसका पति से विवाद हुआ था। मृतका के भाई ने जीजा पर बहन की हत्या का आरोप लगाया है। छोला मंदिर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। कंचन साहू पति हेमराज साहू (28) राधाकृष्ण कॉलोनी खेजड़ा की रहने वाली थी। उसकी शादी 14 महीने पहले हुई थी। मृतका के बड़े भाई सोनू साहू ने बताया कि बहन की शादी के बाद से ही पति मनमर्जी का दहेज नहीं मिलने से नाराज होकर तानाकशी करता था। मां की मौत के बाद पहला त्योहार मनाने बहन रविवार को घर आई थी। शाम के समय बहन का पति उसे लेने आया था। बहन ने उससे दो दिन और मायके में रुकने की इच्छा जाहिर की। इस पर पति गुस्सा हो गया, तब बहन उसके साथ उसी समय लौट गई।

भाई बोला पुलिस ने दी हत्या की सूचना- रात करीब ढाई बजे आपसी विवाद के बाद पति ने बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। इस बात की जानकारी मुझे कॉल कर छोला थाना पुलिस ने दी है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मामले में मर्ग कायम किया है। पीएम रिपोर्ट और मायके पक्ष के डिटेल बयानों के बाद आगे की कार्रवाई तय करेंगे। फिलहाल महिला की मौत संदिग्ध हालात में होना पाया गया है।

गुप्त नवरात्र शुरू, भोपाल में शतचंडी पाठ का आयोजन

मां वैष्णो धाम मंदिर में घट स्थापना हुई, मनोकामना पूर्ति के लिए 25 ज्योत प्रज्ज्वलित होंगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में गुप्त नवरात्र 19 जनवरी से प्रारंभ हो गए है। इस अवसर पर शहर के मां वैष्णो धाम आदर्श नौ दुर्गा मंदिर, प्लेटिनम प्लाजा में शतचंडी पाठ और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जा रहा है। नवरात्रि के दौरान भक्तों की मनोकामना पूर्ति के लिए कुल 25 ज्योत प्रज्वलित की जाएंगी।

घट स्थापना और शतचंडी पाठ- मंदिर के व्यवस्थापक पंडित चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि गुप्त नवरात्र के पहले दिन प्रातः 11 बजे घट स्थापना और वेदियों की स्थापना के साथ विधिवत पूजन किया गया। इसके बाद वैदिक ब्राह्मणों द्वारा शतचंडी पाठ का शुभारंभ हुआ, जो नवरात्रि के अंतिम दिन तक निरंतर चलेगा।

मंदिर की विशेषता और नवरात्रि पूजन- तिवारी ने बताया कि यह भोपाल का एकमात्र मंदिर है, जहां नौ देवियों की स्थापना की गई है और साल में आने वाली चारों नवरात्रों में शतचंडी पाठ कराया जाता है। नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन प्रथम दिवस मां शैलपुत्री से लेकर नवम दिवस मां सिद्धिदात्री तक विशेष पूजन किया जाएगा। अष्टमी के दिन हवन का आयोजन किया जाएगा और उसी दिन शतचंडी पाठ का समापन होगा।

भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था- मंदिर में भक्त अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए ज्योत प्रज्वलित करा सकते हैं। इसके लिए केवल पूजा सामग्री लाकर शामिल होना होगा। आयोजन के दौरान सभी वेदियों का निर्माण कर विधि-विधान से समस्त देवताओं का आह्वान किया जाएगा। मंदिर समिति का दावा है कि यहां मां भगवती भक्तों की समस्त मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं।

बाणगंगा सांस्कृतिक मेले में 'बार-बालाओं' के ठुमके

अश्लील गानों पर 'लचकती कमरिया' पर लुटाए नोट, मचा बवाल

शहडोल (नप्र)। मध्य प्रदेश के सोहागपुर में ऐतिहासिक बाणगंगा मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर अर्धनग्न वेषभूषा में महिलाओं को नचवाया जा रहा। फूहड़ भोजपुरी गानों पर अश्लील डांस से बवाल खड़ा हो गया। हिन्दू संगठनों ने नगर पालिका के इस आयोजन का सनातन के खिलाफ बताया है।

मकर संक्रांति के अवसर पर शहडोल का ऐतिहासिक बाणगंगा मेला आस्था और संस्कृति का प्रतीक है। यह मेला आजादी के पूर्व से लगा रहा है। मेले में मनोरंजन के नगर पालिका शहडोल द्वारा कार्यक्रम करवाए जाते हैं। लेकिन इस बार मनोरंजन के लिए आयोजित किए गए कार्यक्रम फूहड़ता और अश्लीलता का मंच बन गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर अश्लील भोजपुरी गानों पर ठुमके लगे। गानों पर हुए डांस के वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। मेला इस बार धार्मिक और सांस्कृतिक गरिमा के बजाय फूहड़ता और अश्लीलता को लेकर विवादों में आ गया है। सात दिवसीय इस मेले का आयोजन नगर पालिका द्वारा सोहागपुर के बाणगंगा मैदान में किया जाता।

अश्लील-फूहड़ डांस कराया जा रहा- मेले में प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाए जाते हैं, लेकिन इस वर्ष मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर अश्लील और फूहड़ डांस कराया गया। कार्यक्रम के दौरान पैसा फेंक तमाशा देख, नाचेगी पिंकी फुल टू लेट और आज टूटेगा कांवरिया, कान की टूट जाए, राजा जी बलम... जैसे अश्लील भोजपुरी गानों पर महिला डांसरों द्वारा आपत्तिजनक ठुमके लगाए गए। मेले में चल रहे इस फूहड़ प्रदर्शन को देखकर मेले में मौजूद कई वृद्धजनों और जागरूक नागरिकों ने कड़ी आपत्ति भी जताई है। लोगों का कहना है कि जिस मेले की पहचान धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ी रही है, वहां इस तरह का प्रदर्शन समाज को गलत संदेश देता है।

बच्चे डांस देख रहे, अधिकारी फूहड़ता के तमाशे में मग्न- सबसे चिंताजनक बात यह रही कि इस अश्लील डांस के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, जिनमें छोटी बच्चियां भी शामिल थीं। वहीं मंच पर कार्यक्रम के दौरान कुछ अधिकारी-कर्मचारी और स्थानीय नेता भी मौजूद रहे, लेकिन किसी ने भी कार्यक्रम को रोकने की जहमत नहीं उठाई।

फूहड़ डांस के वीडियो वायरल, मामले ने तूल पकड़ा- बाणगंगा मेले में फूहड़ डांस के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिसके बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कड़ाके की ठंड के बावजूद जिस तरह भारी भीड़ सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने आई थी, लेकिन सांस्कृतिक कार्यक्रम की जगह अश्लील डांस देखने को मिला। लोग नगर पालिका की व्यवस्थाओं और सांस्कृतिक आयोजन पर सवाल उठा रहे हैं।

ऐसे आयोजन सनातन के खिलाफ- विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह ने संस्कृति के नाम पर परोसी जा रही फुहड़ता पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि, विराट मंदिर एक ऐतिहासिक मंदिर है और इस ऐतिहासिक मंदिर के मैदान में ही मेला लगा हुआ है। यहां पर सनातन के कार्य होते हैं, लेकिन धार्मिक कार्यक्रमों के नाम पर हो रहे यह कार्यक्रम हमारी संस्कृति और सनातन के खिलाफ है। इस तरह के कार्यक्रम यहां नहीं होने चाहिए।

सरकारी नौकरी के 'वेटिंग' में टीचर...भोपाल में रैली निकाली

भोपाल (नप्र)। संविदा शिक्षक वर्ग-1 में वेटिंग लिस्ट में शामिल सैकड़ों अभ्यर्थियों ने सोमवार को राजधानी भोपाल में हुंकार भरी। ये सभी अभी प्राइवेट स्कूलों में बच्चों को पढ़ा रहे हैं और साल 2023 की उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग-1 की वेटिंग लिस्ट में शामिल हैं।

उनका कहना है कि सरकार को 8420 हजार पदों पर भर्ती करना है, लेकिन भर्ती सिर्फ 2901 पद पर ही हुई है। इस वजह से वे वेटिंग लिस्ट में आ गए हैं। सरकार पद बढ़ा देगी तो वेटिंग क्लियर हो जाएगी।

डिप्टी सीएम के बंगले पर पहुंचे अभ्यर्थी- सुबह 11 बजे सभी अभ्यर्थी रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बाहर इकट्ठा हुए। इसके बाद डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के बंगले पर पहुंचे। वेटिंग शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज कुमार द्विवेदी ने बताया, साल 2023 में 2 से 20 अगस्त तक परीक्षा हुई थी। तब से अब तक वर्ग-1 में पद बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। कुल 8420 पदों पर सरकार ने भर्ती निकाली थी, लेकिन भर्ती सिर्फ 2901 पदों पर ही हुई है।

सीएम के तस्वीर के साथ किया हवन- दूसरी ओर, करीब 58 हजार पद सरकार मंजूर कर चुकी हैं। वित्त मंत्री लेटर भी लिख चुके हैं। बावजूद सरकार और विभाग पदों को नहीं बढ़ा रहा है। इस वजह से हजारों शिक्षकों का भविष्य अंधेरे में हैं। सभी अभी प्राइवेट स्कूलों में बच्चों को पढ़ा रहे हैं।

वेटिंग लिस्ट को क्लियर करने की मांग को लेकर पिछले दो साल से प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम से लेकर विभाग के अधिकारियों से भी मिल चुके हैं। यहां तक कि दंडवत यात्रा भी निकाल चुके हैं। बावजूद पद नहीं बढ़े। इसलिए आज हवन से आंदोलन की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तस्वीर के साथ हवन किया और फिर रैली के रूप में डिप्टी सीएम के बंगले पर पहुंचे।

दो बार परीक्षा, पास हुए, लेकिन अब भी वेटिंग लिस्ट में- बैतूल से आई अनिता सूर्यवंशी ने कहा कि वह दो बार चयन परीक्षा दे चुकी हैं और दोनों बार पास हुई, लेकिन वेटिंग लिस्ट अब तक क्लियर नहीं हुई है। सरकार को जल्द ही नियुक्ति देने की मांग कर रहे हैं।

प्रदेश में अगले 2 दिन तेज ठंड से राहत

22-23 जनवरी के बाद बूंदा-बांदी के आसार ; प्रदेश के पास से गुजर रहे दो चक्रवात, बादल छाए

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के पास से दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) गुजर रहे हैं। इस वजह से प्रदेश के पूर्वी हिस्से के जिलों में बादल छा रहे हैं। रविवार को भोपाल, नर्मदापुरम समेत कई जिलों में बादल रहे। मौसम विभाग की माने तो अगले 2 दिन तक तेज ठंड से राहत मिलेगी, फिर बूंदा-बांदी होने के आसार हैं। सुबह कोहरा भी रहेगा।

सोमवार सुबह ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना में मध्यम कोहरा छाया रहा। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत एक दर्जन से ज्यादा जिलों में हल्का कोहरा देखने को मिला। दूसरी ओर, पारे में भी गिरावट देखने को मिली है।

इस वजह से ऐसा मौसम- मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के कई जिलों में बादल वाली स्थिति है। इस वजह से पारे में बढ़ोतरी हुई है। रविवार को दिन के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली। दरअसल, प्रदेश के ऊपरी हिस्से से दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन गुजर रहे हैं। वहीं, पाकिस्तान के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है।

दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) 21 जनवरी की रात से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकते हैं। यह एमपी में भी असर दिखा सकता है। यानी, 22-23 जनवरी के बाद प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हो सकती है।

सबसे ठंडा शहडोल का कल्याणपुर, पारा 3.7 डिग्री- मौसम विभाग के अनुसार, अभी शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा है। यहां न्यूनतम तापमान 3.7 डिग्री पहुंच गया है। रविवार की रात में इतना टेम्परेचर दर्ज किया गया। खजुराहो में 5.8 डिग्री, नौगांव-उमरिया में 6 डिग्री, रीवा में 6.4 डिग्री, पचमढ़ी में 6.8 डिग्री, मंडला में 7.2 डिग्री और मलाजखंड में पारा 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बड़े सभी 5 शहरों में तापमान 10 डिग्री से अधिक है। भोपाल में 11 डिग्री, इंदौर में 12 डिग्री, ग्वालियर में 10 डिग्री, उज्जैन में 13 डिग्री और जबलपुर में 10.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

इस बार कड़ाके की ठंड का दौर- इस बार मध्यप्रदेश में नवंबर-दिसंबर की सर्दी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। नवंबर में 84 साल में सबसे ज्यादा ठंड पड़ी तो दिसंबर में 25 साल का रिकॉर्ड टूटा। नवंबर-दिसंबर की तरह ही जनवरी में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इससे भोपाल में ठंड का 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया है।

एक्सपर्ट की माने तो जनवरी में प्रदेश में माइनस वाली ठंड गिर चुकी है। अबकी बार भी तेज सर्दी, घना कोहरा छाने के साथ शीतलहर भी चल रही है।

कब होगी हुक्मचंद नारद पत्रकारिता पीठ की स्थापना?

भोपाल। राष्ट्र गौरव, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और श्रमजीवी पत्रकारिता के जनक स्वर्गीय हुक्मचंद जी नारद की मानवाकार कांस्य प्रतिमा की स्थापना मध्यप्रदेश राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर में कराई गई थी। उक्त अवसर पर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री जी ने स्वर्गीय हुक्मचंद नारद की स्मृति में 'पत्रकारिता पीठ' स्थापित करने की घोषणा की थी। स्वर्गीय हुक्म चंद जी नारद के पौत्र डॉ. संदीप नारद, इन्दौर के लगातार पत्र व्यवहार के चलते मध्यप्रदेश के राज्यपाल और विश्व विधालय के कुलाधिपति के अपर सचिव ने 16 सितम्बर 2025 को अपने पत्र क्रमांक 889/रा.स./ यू.ए.-2/2025 के द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलगुरू को हुक्म चंद नारद पत्रकारिता पीठ गठित करने के लिए नियमानुसार और विधि सम्मत कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया था लेकिन न जाने क्यों इस स्थापना पर अभी तक कोई निर्णय नही हो पाया है।

महाभारत समागम

महाभारत के युद्ध का मूल कारण बना सचेत अंधत्व

भोपाल। 'वीर भारत न्यास' द्वारा आयोजित सभ्यताओं के संघर्ष एवं औदार्य की महागाथा पर केंद्रित महाभारत समागम के तीसरे दिन बहिरंग के मंच पर लोकछंदा, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत नृत्य-नाटिका 'नेत्रपट' ने दर्शकों को विचार और संवेदना के स्तर पर गहराई से उद्वेलित किया।

मैत्रेयी पहाड़ी के निर्देशन में यह प्रस्तुति केवल एक नृत्य-नाट्य नहीं, बल्कि महाभारत की दार्शनिक चेतना का समकालीन पुनर्पाठ बनकर सामने आयी। प्रस्तुति में यह बताया गया कि महाभारत के युद्ध का मूल कारण सचेत अंधत्व बना। इससे पूर्व पूर्वरंग में पद्मश्री राजातेंदू रथ के निर्देशन में सराईकेला छाऊ शैली पर आधारित 'उरुभंगम्' तथा अंतरंग सभागार में वामन केन्द्रे निर्देशित 'मोहे पिया' का मंचन भी हुआ, जिसने इस दिन को कलात्मक और वैचारिक दृष्टि से समृद्ध बनाया। वीर भारत न्यास के परामर्शी राहुल रस्तोगी द्वारा मोमेंटो भेंट कर सभी कलाकारों का स्वागत अभिनंदन किया गया।

नेत्रपट: महाभारत का दार्शनिक पुनर्पाठ- 'नेत्रपट' अंधत्व को आँखों की शारीरिक असमर्थता न मानकर मानव चेतना द्वारा चुनी गई अवस्था के रूप में प्रस्तुत करती है। यह नृत्य-नाटिका उस निर्णायक क्षण की पड़ताल करती है, जब मनुष्य सत्य को देखने में सक्षम होते हुए भी उससे दृष्टि फेर लेता है। प्रस्तुति में नेत्रपट दो अर्थों में उभरता है–एक ओर

कृष्ण में पूर्ण शरणागति का प्रतीक, जहाँ बाह्य दृष्टि के बंद होने पर आंतरिक विवेक जागृत होता है; दूसरी ओर वही नेत्रपट अहंकार, हठ और जिद से जन्मे उस सचेत अंधत्व का रूप ले लेता है, जिसने महाभारत के युद्ध को अनिवार्य बना दिया।

नृत्य-नाटिका अपने शिखर पर तब पहुँचती है, जब कृष्ण का विराट रूप प्रकट होता है और साधारण दृष्टि असमर्थ हो जाती है। यहीं गीता उपदेश का बिंदु जन्म लेता है, जहाँ देखने का अर्थ बदल जाता है–दृष्टि नेत्रों से नहीं, विवेक से उत्पन्न होती है। 'नेत्रपट' अंततः यह उद्घोष करती है कि मुक्ति देखने में नहीं, बल्कि सही प्रकार से देखने में निहित है।

मोहे पिया: महाभारत का मानवीय और भावनात्मक पक्ष- अंतरंग सभागार में रंगपीठ थियेटर, मुंबई द्वारा प्रस्तुत संस्कृत आधारित मध्यम व्यायोग 'मोहे पिया' का मंचन निर्देशक वामन केंद्रे के निर्देशन में किया गया। यह नाटक महाकवि भास के 'मध्यम व्यायोग' पर आधारित है, जिसमें महाभारत के भीम, हिडिम्बा और घटोत्कच के प्रसंग को संवेदनशील मानवीय दृष्टि से प्रस्तुत किया गया। कथा जंगल में घटित होती है, जहाँ बलिदान, कर्तव्य और करुणा के भाव उभरते हैं। भीम द्वारा स्वयं को बलिदान के लिए प्रस्तुत करना और हिडिम्बा द्वारा पहचान का क्षण नाटक को भावनात्मक ऊँचाई देता है। अंत में घटोत्कच का कुरुक्षेत्र में वीरगति प्राप्त करना त्याग और वीरता के मूल्यों को प्रभावशाली रूप से स्थापित करता है।

छाऊ नृत्य में 'उरुभंगम्'- पद्मश्री राजातेंदू रथ के निर्देशन में राजातेन्दु कला निकेतन, सराईकेला द्वारा प्रस्तुत 'उरुभंगम्' का प्रभावशाली मंचन छाऊ नृत्य शैली में किया गया। महाकवि भास रचित इस नृत्य-नाटिका में कुरुक्षेत्र युद्ध के अंतिम दिन की घटनाओं को केंद्र में रखा गया। भीम-दुर्योधन गदा युद्ध, नियमभंग और पराजय के बाद दुर्योधन की पीड़ा को करुण भाव से प्रस्तुत किया गया। यहाँ दुर्योधन एक खलनायक नहीं, बल्कि आत्मचिंतनशील, क्षमाशील और संवेदनशील नायक के रूप में उभरता है। माता-पिता, पत्नियों और पुत्र से उसका भावनात्मक संवाद नाटक को गहन मानवीय आयाम प्रदान करता है।

फ़िल्म कुरूक्षेत्र एवं अतिथि से संवाद का प्रदर्शन- अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के दूसरे दिन नाग अन्ना की फ़िल्म 'कुरुक्षेत्र' तथा अतिथि से संवाद का प्रदर्शन किया गया। फ़िल्म कुरूक्षेत्र में महाभारत के युद्ध, पात्रों की आंतरिक द्वंद्वात्मकता और सभ्यताओं के संघर्ष को भव्य दृश्यात्मक भाषा में प्रस्तुत किया गया है, जिसे दर्शकों ने सराहा।

संपादकीय

आदिवासी कैदियों पर विचार हो

भले ही यह आरोप राजनीतिक मंशा से लगाया गया हो, लेकिन जो तथ्य हैं, वो गंभीर हैं और सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। मध्यप्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने रविवार को कहा कि राज्य की जेलों में विचाराधीन कैदियों में करीब 21 प्रतिशत कैदी आदिवासी समुदाय के हैं। यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है। सिंघार ने कहा कि सरकार और न्यायपालिका से ऐसे कैदियों के लिए त्वरित सुनवाई और सरल जमानत प्रक्रिया सुनिश्चित करनी चाहिए। अपने बयान में सिंघार ने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार, मध्यप्रदेश में 1.53 करोड़ से अधिक आदिवासी रहते हैं, जो राज्य की आबादी का 21.08 प्रतिशत है और यह भारत में सबसे अधिक है। प्रदेश की जेलों में अत्यधिक भीड़भाड़ के बारे में चिंता जताते हुए सिंघार ने कहा कि राज्य की 132 जेलों में 45,543 कैदी बंद हैं। यह संख्या बिहार और उत्तर प्रदेश के बाद देश में सबसे अधिक है। सिंघार स्वयं आदिवासी समुदाय से आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में कुल 22,946 कैदियों में करीब 50 प्रतिशत विचाराधीन कैदी हैं, जिनके खिलाफ अभी आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं या जिनकी सुनवाई चल रही है। इनमें से 21 प्रतिशत आदिवासी समुदाय से हैं, जो देश में सबसे ज्यादा है। साथ जेलों में बंद कैदियों की संख्या उनकी तय क्षमता 30 हजार बहुत ज्यादा यानी 152 प्रतिशत है। इसी से अंदाजा लगाया जाता सकता है कि कैदी जेलों में किन परिस्थितियों में रहते होंगे। लेकिन इसका एक और सामाजिक पक्ष यह भी है कि सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोग लंबी न्यायिक प्रक्रिया के कारण अधिक प्रभावित हो रहे हैं, जहां उन्हें गरीबी और जमानत न जुटा पाने के कारण लंबे समय तक जेल में रहना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हाल में उच्चतम न्यायालय ने विचाराधीन कैदियों के लंबे समय तक जेल में बंद रहने पर कड़ी टिप्पणियां की हैं। सिंघार की इस बात से शायद ही कोई असहमत हो कि बिना दोष सिद्ध हुए किसी व्यक्ति को लंबे समय तक जेल में रखना संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। तल्ख हकीकत यह है कि विचाराधीन कैदी और खासकर गरीब वर्ग के लोग जेलों में इसलिए सड़ रहे हैं,क्योंकि जमानत राशि जुटाने की उनकी हैसियत ही नहीं है। सिंघार के मुताबिक आंकड़ों में देखें तो कुल दोषी 22 हजार कैदियों में 50 प्रतिशत संख्या केवल आदिवासी और दलितों की है। जाहिर है कि सिंघार की मांग जेलों में सुधार की है, जिससे शायद ही कोई असहमत हो। दूसरे, कमजोर वर्ग की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण बिना सजा मिले भी, उनका जेलों में बंद रहना अमानवीयता का परिचायक है। बेशक जेल मनुष्य द्वारा बनाई न्याय व्यवस्था का वो घटक है, जहां अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद सजा की अवधि अपराधी को बितानी होती है। इस दौरान वह समाज से दूर रहता है। माना जाता है कि इस तरह दंड देने से उसके भीतर सुधार होगा और उसका ह्रदय परिवर्तन होकर वह सन्मार्ग के रास्ते पर चलेगा। हालांकि हमेशा ऐसा हो, जरूरी नहीं है। क्योंकि कई मामलों में यह भी देखने में आया है कि जेल जाकर अपराधी और ज्यादा शातिर और पेशेवर हो जाते हैं। ऐसे में विचाराधीन कैदियों को भी सजायाफ्तां कैदियों के साथ रखना और भी खतरनाक हो सकता है। गरीब और कमजोर वर्ग के कैदियों की त्रासदी यह है कि उनके पास पैसा नहीं होने से वो हर जगह उत्पीड़न का शिकार होते हैं। उमंग सिंघार के बयान के इस मानवीय पक्ष को ध्यान में रखकर सरकार को उचित और त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन से क्या मजबूत होगा लोकतंत्र?

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक शोधार्थी हैं।

लोकतंत्र कोई एक बार प्राप्त कर ली गई उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसे निरंतर पोषण, संवाद और संस्थागत मजबूती की आवश्यकता होती है। समय के साथ बदलती सामाजिक, राजनीतिक और तकनीकी परिस्थितियाँ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी करती रहती हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय संसदीय मंचों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, जो विभिन्न देशों को लोकतांत्रिक मूल्यों, परंपराओं और व्यवहारों को साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं। हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन (कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री कॉन्फ्रेंस) इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरकर सामने आया है, जिसने यह सिद्ध किया कि साझा लोकतांत्रिक विरासत और सामूहिक विमर्श के माध्यम से लोकतंत्र की जड़ों को और गहराई प्रदान की जा सकती है।

कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपीए) कॉमनवेल्थ देशों के सांसदों और संसदों के पीठासीन अधिकारियों को एक साझा मंच पर लाती है। ये वे देश हैं, जिनमें से अधिकांश में संसदीय लोकतंत्र की एक समान ऐतिहासिक परंपरा रही है। यह सम्मेलन एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करता है, जहाँ निर्वाचित जनप्रतिनिधि लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने मौजूद चुनौतियों पर विचार-विमर्श करते हैं, एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हैं और शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और समावेशी बनाने के नए उपायों की खोज करते हैं। आज के दौर में, जब विश्व भर में लोकतंत्र ध्रुवीकरण, गलत सूचना, जनता के घटते विश्वास और तकनीकी हस्तक्षेप जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब इस प्रकार का संवाद न केवल प्रासंगिक बल्कि अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

भारत द्वारा इस सम्मेलन की मेजबानी किया जाना अपने आप में विशेष प्रतीकात्मक और व्यावहारिक महत्व रखता है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत विविधताओं से भरे समाज में लोकतांत्रिक शासन कीु की संभावनाओं और जटिलताओं दोनों का प्रतिनिधित्व करता है। कॉमनवेल्थ के विभिन्न देशों से आए संसदीय नेताओं को एक साथ लाकर भारत ने यह संदेश दिया कि वह लोकतांत्रिक मूल्यों, बहुलतावाद और संस्थागत संवाद के प्रति प्रतिबद्ध है। सम्मेलन के दौरान इस तथ्य पर विशेष बल दिया गया कि लोकतंत्र की मजबूती मजबूत विधायिकाओं पर निर्भर करती है, जो जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर सकें, कार्यपालिका पर प्रभावी निगरानी रख सकें और संवैधानिक सिद्धांतों की रक्षा कर सकें।

सम्मेलन के प्रमुख विषयों में से एक संसदीय संस्थाओं को सशक्त बनाने का प्रश्न था। विधायिकाएँ किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ होती हैं, किंतु अनेक देशों में वे प्रभावहीनता, कार्यपालिका के बढ़ते वर्चस्व और जनता के घटते विश्वास जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि संसदों को पर्याप्त संसाधन, प्रक्रियात्मक स्वायत्तता और संस्थागत क्षमता प्रदान की जानी चाहिए। मजबूत संसदीय समितियाँ, सूचित और सार्थक बहसें तथा प्रभावी निगरानी तंत्र इस बात को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं कि शासन सत्ता-केंद्रित न होकर जन-केंद्रित बना रहे।

लोकतंत्र पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर भी सम्मेलन में गहन चर्चा हुई। डिजिटल तकनीकों ने राजनीतिक संवाद, विधायी कार्य और नागरिक सहभागिता के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। एक ओर तकनीक पारदर्शिता, दक्षता और भागीदारी के नए अवसर प्रदान करती है, वहीं दूसरी ओर यह गलत सूचना, साइबर हेरफेर और विवेकपूर्ण सार्वजनिक विमर्श के क्षरण जैसी गंभीर चुनौतियाँ भी उत्पन्न करती है। सम्मेलन में इस बात पर सहमति बनी कि कानून निर्माताओं की यह जिम्मेदारी है कि वे ऐसी संतुलित नीतियाँ तैयार करें, जो तकनीक का उपयोग सार्वजनिक हित में करें और साथ ही लोकतांत्रिक मूल्यों, निजता और सामाजिक सौहार्द्र की रक्षा भी सुनिश्चित करें।

बदलते सामाजिक परिवेश में निर्वाचित प्रतिनिधियों की भूमिका पर भी विशेष ध्यान दिया गया। आज के सांसद और विधायक निरंतर सार्वजनिक निगरानी और तेज़ी से बदलते सूचना चक्र के बीच काम कर रहे हैं। सोशल मीडिया ने नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के बीच की दूरी को कम किया है, लेकिन साथ ही इसने लोकलुभावन प्रवृत्तियों और आक्रामकता को भी बढ़ावा दिया है। सम्मेलन में यह रेखांकित किया गया कि जनप्रतिनिधियों को राजनीतिक दबावों के बावजूद नैतिक आचरण, मर्यादित बहस और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती केवल चुनावी जीत में नहीं, बल्कि संवाद की गुणवत्ता और असहमति के प्रति सम्मान में निहित होती है।

समावेशन और प्रतिनिधित्व का प्रश्न भी सम्मेलन के विमर्श का एक महत्वपूर्ण आधार रहा। कोई भी लोकतंत्र तभी सशक्त हो सकता है, जब वह अपने समाज की विविधता को सही मायनों में प्रतिबिंबित करे। विधायी संस्थाओं में महिलाओं, युवाओं और हाशिए पर मौजूद समुदायों की बढ़ती भागीदारी पर गंभीर चर्चा हुई। कॉमनवेल्थ ढाँचा, जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है, देशों को यह अवसर प्रदान करता है कि वे समावेशी प्रतिनिधित्व के सफल मॉडलों से सीखें और उन्हें अपनी सामाजिक- राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप अपनाएँ।

सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय संसदीय कूटनीति के महत्व को भी रेखांकित किया गया। आज की परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, आर्थिक असमानता और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे अनेक मुद्दे राष्ट्रीय सीमाओं से परे हैं। विभिन्न देशों की संसदों के बीच संवाद कार्यपालिका स्तर की कूटनीति को पूरक बनाते हुए विश्वास, समझ और सहमति को बढ़ावा दे सकता है। इससे राष्ट्रीय नीतियों को वैश्विक लोकतांत्रिक मानकों के अनुरूप ढालने में सहायता मिलती है, साथ ही संप्रभुता और सांस्कृतिक विविधता का सम्मान भी बना रहता है।

महत्वपूर्ण यह रहा कि सम्मेलन का विमर्श केवल आदर्शवाद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आज लोकतंत्र के सामने मौजूद वास्तविक खतरों को भी खुले रूप में स्वीकार किया गया। सत्तावादी प्रवृत्तियाँ, संस्थाओं का कमजोर होना और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में जनता का घटता विश्वास जैसी चुनौतियों पर गंभीर चिंतन हुआ। इस बात पर व्यापक सहमति बनी कि लोकतंत्र केवल परंपरा के बल पर जीवित नहीं रह सकता, बल्कि उसे निरंतर नवीकरण, आत्म-संशोधन और जनभागीदारी की आवश्यकता होती है। ऐसे सम्मेलन इस सत्य की याद दिलाते हैं कि लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को समय के साथ विकसित होना ही होगा, तभी वे प्रासंगिक और विश्वसनीय बनी रह सकती हैं।

कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन ने यह स्पष्ट किया कि सामूहिक चिंतन और सहयोग के माध्यम से लोकतंत्र को ठोस और सार्थक रूप से सुदृढ़ किया जा सकता है। सांसदों के बीच संवाद को प्रोत्साहित कर, संस्थागत श्रेष्ठ प्रथाओं को मजबूत कर और समकालीन चुनौतियों का सामना करते हुए यह सम्मेलन वैश्विक लोकतांत्रिक शासन की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। अनिश्चितताओं और परिवर्तन के इस युग में ऐसे मंच यह विश्वास दोहराते हैं कि लोकतंत्र, अपनी सभी सीमाओं के बावजूद, मानव समाज की सबसे समावेशी और उत्तरदायी शासन प्रणाली है, और इसकी वास्तविक शक्ति साझा सीख, पारस्परिक सम्मान तथा संवैधानिक मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता में निहित है।

अब मुंबई को संवारने की चुनौती नए पालनहार पर

राजनीति

वेद विलास उनियाल

(वरिष्ठ पत्रकार और समीक्षक)

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने बीजेपी और शिवसेना शिंदे के लिए ढाई ढाई साल मेयर की बात कहकर दबाव की राजनीति से कुछ उलझन बढ़ाई है। लेकिन शिवसेना शिंदे का मुंबई में कमजोर प्रदर्शन रहा है। यूबीटी उनसे बहुत आगे निकली है। शिंदे इस बात को जानते हैं कि उद्धव ठाकरे के दबाव में न आने वाली बीजेपी के लिए उनकी अहमियत सीमित दायरे में है। अभी कुछ समय बीजेपी को शिवसेना शिंदे की जरूरत है। लेकिन बीजेपी शिंदे की पार्टी को उतना ही महत्व देगी जहां से वे लंबी उड़ान न भर सकें। शिंदे भी अपनी सीमाओं को बखूबी समझते हैं।

महाराष्ट्र नगर निगम के चुनाव में एनडीए की फिर से धमक दिखी है। महाराष्ट्र स्थानीय निकाय के चुनाव में 29 महानगरपालिकाओं में 25 पर जीत हासिल करके अपना दबदबा बनाया है। यूबीटी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी इस बात को समझ रहे थे कि उनके लिए असली प्रतिष्ठा की लड़ाई मुंबई महानगरपालिका के चुनाव हैं। इसलिए उन्होंने अपनी पूरी ताकत मुंबई में लगाई। राजनीतिक समीकरणों में उद्धव और राज ठाकरे एक साथ आए और गठबंधन के दल कांग्रेस और एनसीपी पवार दूर चले गए। मुंबई का सियासी अखाड़ा ठाकरे बंधुओं के लिए ठाकरे ब्रांड को बचाने का एक कठिन संघर्ष था। उधर पवार शब्द के सियासी अस्तित्व के लिए अजित पवार मनपा चुनाव के लिए चाचा शरद पवार से मिल गए। स्थानीय निकाय के परिणामों ने जहां यूबीटी को राज्य में निराशा दी वहीं यह हौसला भी कायम रखा कि मुंबई में उनका अपना अस्तित्व कायम है। लेकिन दूसरी तरफ पवार ब्रांड पर निराशा के भारी संकेत है। महायुति में भगवा मुंबई नासिक नागपुर पुणे हर जगह लहराया है। बीजेपी के लिए इस बात की खास अहमियत है कि अब केरल के तिरुवनंतपुरम के साथ साथ मुंबई में भी उसका पहली बार मेयर होगा। जहां तक कांग्रेस की बात है वह लातूर कोल्हापुर जैसे शहरों में ही सिमट कर रह गई।

बीजेपी के लिए महाराष्ट्र के इन नतीजों की बडी अहमियत है। केवल इस नाते नहीं कि विधानसभा में महायुति को 234 सीटें हासिल हुई थी। इसी कड़ी में महाराष्ट्र में भी भगवा लहराया है। वह महाराष्ट्र हरियाणा बिहार विधानसभा चुनाव में भारी सफलता के बाद महाराष्ट्र निकाय में भी भारी सफलता का परचम फहरा रही है। महाराष्ट्र में बीजेपी ने शहरी इलाकों में अच्छे वोट पाए। उसका फैलाव अब पूर महाराष्ट्र में है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पूरे चुनाव का नेतृत्व कर रहे थे। हालांकि पार्टी यह दोहराती रही कि पीएम मोदी की नीतियों और योजनाओं पर वोट मांग रही है। महाराष्ट्र बीजेपी में देवेंद्र फडणवीस सबसे ताकतवर नेता बन गए हैं। बीजेपी मुंबई में ट्रिपल सरकार होने का उद्घोष कर रही है तो इसका श्रेय देवेंद्र फडणवीस को मिल रहा है। बीजेपी के लिए ये उत्साह जगाने वाले परिणाम हैं। खासकर पश्चिम बंगाल के चुनाव में बीजेपी कुछ और हौसले के साथ मैदान में उतर सकती है। इसकी प्रतिध्वनि उत्तर प्रदेश में भी सुनी समझी गई। जहां सपा नेता अखिलेश यादव ने इस बात को स्वीकारा है कि बीजेपी चुनाव जीतना जानती है।

स्थानीय निकाय के चुनाव में महाविकास आघाड़ी का पूरा ताना बाना बिखरा। उद्धव ठाकरे की यूबीटी और राज ठाकरे के मनसे के गठबंधन एक बार महाराष्ट्र के मतदाताओं को झकझोरने की कवायद था। खासकर उद्धव राज किसी भी तरह मुंबई को अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहते थे। तीस साल से मुंबई महानगर पालिका पर ठाकरे परिवार का प्रभाव रहा है। मुंबई महानगरपालिका की अहमियत को इस बात से जाना जाता है कि मुंबई महानगर पालिका के चुनाव की अहमियत इस बात से साबित होती है कि 2025-26 में बीएमसी का बजट 74 427 करोड़ रुपए था। मुंबई देश आर्थिक राजधानी कहलाती है। अगले लोकसभा चुनाव के लिहाज से मुंबई महानगरपालिका के चुनाव की अहमियत समझी जा सकती। । यूबीटी ने महाराष्ट्र विकास आघाडी के साथी दलों के बिना 65 सीटें हासिल की है उससे यह स्पष्ट है कि चुनाव हारने पर भी उसकी अपना अस्तित्व बना हुआ है। उसके प्रभाव में ही मनसे भी छह सीटें जीती है। यह आंकड़े यूबीटी को थोड़ा हताश तो करते हैं लेकिन उसमें आगे के संघर्ष के लिए पूरी आंच भी दिखती।

महाराष्ट्र में एनसीपी नेता शरद पवार के पुणे पिंपरी चिंचवाड के गढ ढह गए। चुनाव से ठीक पहले कलाबाजी करते हुए अजित पवार अपने चाचा शरद पवार से मिल गए थे। यह समझौता स्थानीय निकाय चुनाव में पवार ब्रांड को बचाने के लिए था। लेकिन बदलती हुई राजनीति की थाह इससे ली जा सकती है कि महाराष्ट्र में ही नहीं देश भर में प्रचारित सियासी चाणक्य शरद पवार पूरे महाराष्ट्र में अपनी सीटों की संख्या 40 भी नहीं पहुंचा सके। उनसे बेहतर प्रदर्शन तो एनसीपी अजित पवार की एनसीपी का रहा है। राज ठाकरे पर आपत्ति जताते हुए कांग्रेस ने उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन तोड़ा। लेकिन इसके पीछे दूसरे भी अहम कारण थे। कांग्रेस ने महसूस किया है कि अकेले दम पर वह बहुत कुछ हासिल नहीं कर पाई। लातूर मे 43 सीट हासिल करके उसने बेहतर प्रदर्शन किया है। इसी तरह कोल्हापुर में भी उसे जीत हासिल हुई है। लेकिन, पूरे राज्य में महाविकास आघाडी के सबसे बड़े दल होने का दावा करने वाली कांग्रेस के खाते में राज्य भर में दो महानगरपालिका और 326 सीटें हैं। यही नहीं जिस तरह एआईएमआईएम ने अपनी धमक दिखाई है वह राज्य के बाहर भी कांग्रेस और सपा के लिए चिंता का विषय हो सकता है। देखना होगा कि महाविकास आघाडी के गठबंधन फिर साथ आते हैं या नहीं।

महायुति गठबंधन का प्रमुख सहयोगी होने के नाते शिवसेना शिंदे को हालांकि राज्य में 399 सीटें मिली है। ठाणे में 50 में 33 सीटें उसने हासिल की है। लेकिन बीजेपी को मुंबई में अपने इस सहयोगी से जो अपेक्षा उसमें कहीं कुछ कमी रह गई। शिवसेना शिंदे जिस तरह मुंबई में अपेक्षा का प्रदर्शन नहीं कर पाई उसने ही उद्धव ठाकरे की सीटें बढाई है। महायुति की सफलता के पीछे कई बड़े कारण है। विधानसभा चुनाव के परिणामों से उत्साहित महायुति ने इन चुनावों में पूरी ताकत झोंकी। हालांकि बीजेपी के केंद्र में शीर्ष स्तर के नेताओं ने इसमें प्रचार नहीं किया। राज्य इकाई के नेताओं पर ही सारा दारोमदार था। महायुति का चुनाव प्रचार अभियान संतुलित था लेकिन महाविकास आघाडी में बिखराव दिखा। बीजेपी मतदाताओं को यह संदेश देने में सफल रही कि चुनाव का मुख्य एजेंडा विकास है। महायुति विकास करने में सक्षम है। और महायुति ने सुशासन को अपने एजेंडे में रखा। महायुति ने पूरे राज्य में सघन प्रचार किया। महाविकास आघाड़ी के घटक अपने अपने क्षेत्रों में सिमटी रहे। उद्धव ठाकरे चुनाव प्रचार में नहीं निकले। यूबीटी मनसे मुंबई में ही सिमट गई। बीजेपी और शिवसेना शिंदे के बीच तालमेल बेहतर बना रहा।

उत्तर भारतीय मतदाताओं का रुझान भी महायुति के लिए दिखा। अन्ना मलाई को लेकर राज ठाकरे की टिप्पणी का उत्तर भारतीयों सहित गैर महाराष्ट्रीय लोगों पर अच्छा असर नहीं गया। राज ठाकरे की टिप्पणियों ने उन्हें कई तरह से सशंकित किया। महायुति ने अपने प्रचार में इस बात को सामने रखा कि पूरा गठबंधन पीएम मोदी की नीतियों पर चल रहा है। मनपा की सत्ता मिलने पर इसका हर तरफ से फायदा होगा। महायुति ने इस प्रचार में कमी नहीं आने दी कि उद्धव ठाकरे अपने निजी हितों के लिए सनातन के विरोध में चले गए हैं। पालघर घुसपैठ आदि तमाम ऐसे प्रसंगों का जिक्र किया गया जिसका जवाब देने में यूबीटी को कहीं न कहीं दिक्कत हुई। कांग्रेस को अकेले चुनाव लड़ने का फायदा नहीं मिला। बीजेपी ने सधे हुए तरीके से यह प्रचार किया कि शिवसेना मनपा कांग्रेस जहां भी सत्ता में है वहां के बजट का ठीक से उपयोग नहीं कर पाते हैं।

हालांकि विपक्ष ने चुनाव आयोग पर कई आरोप लगाए। चुनाव में धनबल के उपयोग के अलावा स्याही के मिटने का सवाल भी जोर शोर से उठाया। हालांकि, लगता है कि इन बातों को विपक्ष आगे तूल देगा। चुनाव से ठीक पहले ठाकरे बंधुओं का मिलन या पवार चाचा भतीजा का मिलने को लोगों ने स्वाभाविक नहीं माना। बीजेपी के सामने अब खासकर मुंबई को संवारने की बड़ी चुनौती है। मुंबई को अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित करने का दारोमदार है। बीजेपी किसी को भी मेयर बनाए लेकिन कसौटी पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ही होंगे। मुंबई की खराब सड़कें प्रदूषण ट्रैफिक जाम को दुरुस्त करना प्राथमिकता होगी। विकास का ऐजेंडे से जीत हासिल करने की बात कहने वाली बीजेपी को हर बार बरसात में अस्त व्यस्त होते मुंबई को भी पटरी पर लाना होगा।

जो दुमदार हैं वही दमदार हैं ...!

कटाक्ष

सुधीर नायक

लेखक व्यंग्यकार हैं।

कुत्तों के दिन फिरे हैं। इन दिनों कुत्ते बहुत सुर्खियां बटोर रहे हैं। कुत्तों का मामला सबसे बड़ी अदालत में है। अदालत खोद खोदकर सवाल पूछ रही है। अदालत ने अचानक पूछ लिया यह कैसे पता चलेगा कि कुत्ता काटने के मूड में है कि नहीं? बड़े बड़े कुत्तावादी निरुत्तर हो गये? मैं भी उसी दिन से परेशान हूं। इस गूढ़ प्रश्न पर तो मैंने भी कभी नहीं सोचा। वैसे मैं कुत्तों के बीच में ही रहा। खैर जो भी हो मुझे तो खुशी है। सर्वोच्च अदालत में कुत्तों की सुनवाई होने लगी है तो मेरी भी उम्मीद जगी है कि अब मेरा भी नंबर लगेगा।

आज उनकी सुनवाई हुई है तो कल मेरी भी होगी। कुत्ता जगत में भी हर्ष है। आज के अखबार में फ्रंट लाइन खबर कुत्तों की है। कुत्ते गर्वित हैं।मेरे मोहल्ले की भूरी कुतिया जो मुझे देखकर कूं कूं करने लगती थी आजकल अकड़कर निकल जाती है।वह मेरी औकात देख चुकी है। उसने देखा है कि मैं तो तहसील की अदालत में भी नहीं ठहर पाया था।आठ साल केस लड़ने के बाद यह तय हुआ कि यह केस इसी कमरे में चलना चाहिए कि अगले कमरे में लग रही अदालत में।वकील साब खुश थे बोले बधाई हो। तय करवा दिया कि इसी कमरे में चलेगा। अगले कमरे में हम क्यों जायें? मैं आठ साल की इस उपलब्धि को बगल में दबाये हुए निकला और सीधे सामने वाले के घर गया। राजीनामा कर लिया।उसने सोचा मैं झुक गया। मैंने अगले आठ साल बचा लिए। कुल मिलाकर फायदे में ही रहा। कुत्ते आगे बढ़ रहे हैं। मैं प्रसन्न हूं है। दरअसल कुत्तों और इंसानों की दोस्ती बहुत पुरानी है। कम से कम महाभारत काल से तो है ही। युधिष्ठिर के साथ ठप्पे से विमान में बैठकर श्वान स्वर्ग गया था। अर्जुन और भीम जैसे योद्धा जो अवसर नहीं पा सके वह स्वर्णिम अवसर एक कुत्ते को मिला। कुत्तों को तभी से अवसर मिल रहे हैं। खैर वह जो भी कुत्ता था उसने कुत्तों के विकास का चरम शिखर छुआ था। श्वान प्रेमियों को चाहिए कि उन कुत्ता शिरोमणि का सदेह स्वर्गारोहण दिवस मनायें। उस दिन की छुट्टी की मांग करें। छुट्टी की बात इसलिए कर रहा हूं क्योंकि यह देश छुट्टी पर ही सहमत होता है। जब युधिष्ठिर के समय तक इतनी प्रगाढ़ मैत्री होने लगी थी तो शुरुआत और पहले से हुई होगी।हजारों साल पुरानी इस मैत्री का परिणाम यह रहा कि इंसानों ने कुछ कुत्तों से ग्रहण किया और कुत्तों ने कुछ इंसानों से ग्रहण किया। इंसानों में कुछ कुत्तापन आया तो कुत्तों में कुछ इंसानियत आयी। इंसानों में जो वफादारी थी वह पूरी की पूरी कुत्तों ने ले ली। अब हालत यह है कि इंसान को वफादारी की जरूरत पड़ती है तो वह कुत्तों से मांगता है। कुत्ते दूसरे कुत्ते पर गुर्राना सीख गये।जंगली कुत्ते एक दूसरे पर नहीं गुर्राते। पर इंसानों के साथ रहने वाले कुत्ते एक दूसरे को फूंटी आंखों नहीं देखते। मेरे ख्याल से कुत्तों में यह गुण इंसानों से आया है। और जहां तक इंसान की बात है वह कुत्ते की दुम पर मर मिटा।कुत्ते की दुम हिलाने की अदा उसके दिल में उतर गयी। कुत्ते की दुम देखकर उसे अफसोस हुआ कि उसने अपनी दुम नाहक गंवा दी। आज होती तो कितनी काम आती।कुत्ते ने इंसान को सिखाया कि दुम कितनी काम की चीज़ है।इंसान ने हार नहीं मानी। वह अपनी अदृश्य दुम इतने करीने से हिलाता है कि सच्ची वाली दुम फीकी पड़ जाती है। तो इंसान ने कुत्तों से दुम हिलाना सीखा। यह कुत्तों की देन है।यह कुत्तों का उपहार है इंसानों के लिए। कुत्तों से अच्छी दुम तो अब इंसान हिलाते हैं। कुत्ते फीके पड़ जाते हैं। मुझे लगता है कि जो दुम लुप्त हो गई थी वह फिर से पीकने लगी है। इसमें ग़लत क्या है? जब जरूरत न रहने पर कोई अंग लुप्त हो सकता है तो जरूरत पड़ने पर ऊंग भी सकता है। कुछ दिनों में दुमदार लोग दिखने लगें तो अचरज की बात नहीं होगी। मुझे लगता है कि भविष्य में रीढ़ लुप्त हो जायेगी। उसका कोई काम नहीं बचा। रीढ़ ऐसा अंग है जिसे इंसान फालतू ढो रहा है। उसकी जगह अच्छी झब्बेदार पूंछ निकलेगी। जो बहुत काम आयेगी। दुमदार ही दमदार होंगे,अब।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मुगालते पाल लो लेकिन सफेद हाथी मत पालो

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

झारखंड में एक ही हाथी द्वारा कई लोगों की जान लेने और असम के 200 से ज्यादा ग्रामों में हाथियों के तांडव की वजह से फसल नष्ट करने से किसानों को जब खेती करना मुश्किल हो गया तो उन्होंने हाथियों के हिस्से की फसल खाने के लिए छोड़ दी इससे इंसानों और हाथियों का टकराव खत्म हो गया!

यह खबर पढ़कर मॉर्निंग वॉक के दौरान पंडित शिवनारायण जी हाथियों की चर्चा कर बोले हम इंसानों से तो जानवर अच्छे हैं जैसे कि हाथियों को फसल खाने के लिए किसान उनके लिए रेस्तरां खोल कर फसल का एक हिस्सा हाथियों के नाम छोड़ रहे हैं। उधर हाथी के पहले कुत्ते और बिल्लियों को भी हमारे इंसान की बिरादरी कितना नवाजती है, ये किसी से छिपा नहीं है। अरे इंसान जीते जी तो ठीक मरने के बाद भी पाले हुए जानवरों को इज्जत बख्शता है। कुत्तों की यादों को सहजने के लिए कुत्तों के स्मारक बनाए जा रहे हैं उनकी वफादारी का गुणगान किया जा रहा है। लेकिन इंसान ऐसे प्राणी है जिनकी इंसानियत में नियत ही गायब है!

इंसानों की इंसानियत का जिक्र करने पर छोटेलाल जी बोले जानवरों ने संगठित होकर, एका कर इंसानों के सयानेपन को धता बता दी और हाथियों ने अपने 10 से हिस्से को हथिया लिया। और हां हाथी ऐसा अजूबा प्राणी है जिसके खाने के और दिखाने के दांत अलग-अलग होते है। उसने अपने दिखाने के बड़े-बड़े दांतों को दिखा दिखा कर अपने खाने के दातों को सुरक्षित रखकर अपना खाना प्राप्त कर लिया। जब हाथी के दांतों की बात चली तो लचकराम जी बोले हमारे माननीय ने हाथियों से भले ही कुछ नहीं सीखा हो लेकिन उसके दांतों से बहुत कुछ सीख लिया। माननीयों के पास आश्वासन, प्रलोभन, रेवड़ी लोक लुभावन वादे, मिलनसारी, चमकदार मनमोहक दिखने वाले दांतों से सीख लिए जिससे उनकी आम अवाम में छवि बन गई।उसके बाद इन दिखने वाले दांतों के अलावा खाने वाले दांत इतने हृष्ट पुष्ट, पुख्ता और मजबूत कर लिए कि उनके दांत सीमेंट,चारा, खेल का मैदान, गरीबों की बस्ती, सरकारी जमीन, बिल्डिंग, तालाब, स्टाप डेम तक चबा गए और डकार भी नहीं लेते हैं।वे बोले हाथी के दांत तस्करों के निशाने पर भी रहते है, सर्कस से लेकर फिल्मों में,साधु संत,सेना में,पर्यटन स्थल पर, जुलूस, जलसों में, दुल्हे दुल्हन, दीक्षा शिक्षा में हाथी साथी है।

जब-जब मॉर्निंग वॉक के दौरान हाथी की बात हो रही थी इस बीच प्रोफेसर रीतेश अपने पाले हुए कुत्ते को लेकर सैरकराने ले आए और बोले प्राणियों के हर वर्ग में छोटे बड़े,ऊंचे-नीचे, पालतू फालतू दुत्कारने वाले, कारों में सफर करने वाले, मेम साब की गोद में खेलने वाले, गंदे नालों में रूदन करने वाले जानवर होते हैं। देखो ना अपना,पैंथर, डॉग कितना स्मार्ट और सुरक्षित है और इसके आसपास मंडराने वाले स्ट्रीट डॉग कैसे प्रताड़ित है, उनकी कोई पूछ परख नहीं है। जब स्ट्रीट डॉग को पता चला कि इंसानों ने हमारे कुत्तापने को अपना लिया है तो उन्होंने इंसानों को,बाइट,करने की ठान ली और उनकी,बाइट, की गूंज गली मोहल्ले तक ही नहीं सीमित रही वरन उनकी भौं भौं सड़क से संसद तक गुंजायमान हो गई। उन्हें पकड़ने उन्हें नपुंसक बनाने एक स्थान से दूसरे स्थान छोड़ने के लिए विशेष दल गठित होने लगे।सरकार के हलफनामें लगने लगे, बावजूद इसके हम सब कुत्तों ने यह ठान रखी है कि जब इंसान अपनी नियत बदलकर जब तक इंसानियत के रास्ते नहीं आएगा तब तक हम उन्हें रेबीज के लिए भटकाते रहेंगे। बाइट देने वालों की तरह बाइट करते रहेंगे!

इस पर नरेंद्र स्वामी जी बोले कहां हाथी की बात चल रही थी कि कुत्ते बिल्ली चर्चा में शामिल कर लिए अरे हमारे समाज में हाथी कौन पालते हैं, विशेष कर सफेद हाथी तो कोई नहीं पालता है। सफेद हाथी के सफेद दांत अच्छे-अच्छे को पसीना ला देते हैं इसलिए सफेद हाथी पालने से लोग कतराते हैं और हाथी हाथी होते हैं जब भी हाथी बाजार में चलते हैं तो हजार कुत्ते उन पर भोंकते हैं और हाथी को उनके भौंकने का कोई असर नहीं होता है! लेकिन स्ट्रीट डॉग के भौंकने पर हर कोई भपकता है,बहकता है, डरता है लेकिन जो डॉग स्ट्रीट से बंगलों में चले गए हैं उनके लिए लोग कहते हैं कुत्ते पाल लो, मुगालते पाल लो लेकिन सफेद हाथी मत पालो! हाथी और कुत्तों को संगठित होने और सफलता पाने से दुनिया के अन्य जानवरों ने भी एक हो जाने की मुहिम छेड़ी।घोड़ा रोज़ रोज़ हरी फसलों को रौंद रहे हैं वह भी फसल का हिस्सा मांग रहे हैं। उधर बंदर की टोलिया भी बस्ती में आ गई है,वे सड़कों पर दौड़ लगाने लगे है। हाथियों की महत्ता जानकर अन्य जानवर घोड़ा रोज़, बंदर, कुत्ते, सूअर, मुर्गे, कबूतर तोते भी संगठित गए है!

प्रकृति

ब्रजेश कानूनगो

लेखक स्तंभकार हैं।

मनुष्य के लिए प्रेरक है पेंग्वीन का जीवन

पेंगुइन अंटार्कटिका के सबसे प्रसिद्ध निवासी हैं। यहाँ मुख्य रूप से एम्परर और एडली पेंगुइन पाए जाते हैं। इनके शरीर पर वसा की एक मोटी परत होती है जो इन्हें गर्म रखती है। इनके पंख छोटे और मजबूत होते हैं, जो तैरने में पतवार की तरह काम करते हैं। एम्परर पेंगुइन भीषण सर्दियों में भी अंडे देते हैं। नर पेंगुइन अंडे को अपने पैरों पर रखकर दो महीने तक भूखे रहकर उसे गर्म रखता है, जबकि मादा शिकार के लिए समुद्र में जाती है। एक अन्य महत्वपूर्ण प्राणी है सील। वेडेल सील, लेपर्ड सील और एलीफेंट सील जैसी इनकी प्रजातियाँ होती हैं। वेडेल सील बर्फ के नीचे 600 मीटर की गहराई तक गोता लगा सकती हैं और घंटों तक अपनी सांस रोक सकती हैं। लेपर्ड सील यहाँ की एक खतरनाक शिकारी है। ये जीव अपना अधिकांश समय पानी में बिताते हैं, लेकिन आराम करने और बच्चों को जन्म देने के लिए बर्फ की चट्टानों पर आते हैं।

दुनिया की सैर करने का एक लंबा इतिहास रहा है। अनेक पदयात्री एक देश से दूसरे देशों तक भ्रमण करते रहे हैं। कई यात्री, इतिहासकार, संत, धर्मप्रचारक दुनिया भर में पद यात्राएं करते हुए अपने अभियान को लक्ष्य तक ले जाने में सफल हुए हैं। समुद्रों को लांघते हुए भी अनेक जहाजियों और सौदागरों ने लंबी यात्राएं की हैं और अनेक अंजान द्वीपों और महाद्वीपों की खोज की। और अब तो वायुमार्ग ने सैलानियों और घुमक्कड़ों के लिए दुनिया के दुर्गम स्थलों को भी आसान बना दिया है। पर्यटन का एक बड़ा उद्योग और व्यवसाय अस्तित्व में आया है जिसने घुमक्कड़ों और पर्यटकों के लिए काफी सुविधाएं प्रदान कर दी है।

आज के समय में भी अनेक घुमक्कड़ घर से निकलने के बाद लगातार दुनिया का भ्रमण करते रहते हैं। वे न सिर्फ यात्रा करते हैं बल्कि अपने ट्रैवलॉग वीडियो के माध्यम से आम लोगों को भी उस अनुभूति का आस्वाद लेने का अवसर प्रदान कर देते हैं। ऐसे ही हरियाणा के डॉ. राज हैं जो लगभग दस वर्षों से दुनिया का कोना कोना छान आने में संलग्न है। खास बात यह कि उन्होंने लगभग 160 से अधिक देशों की यात्रा अपनी साइकिल धन्नो पर सवारी करते हुए पूरी की है। साइकिल बाबा के नाम से ये विश्व यात्री पोल टू पोल अभियान के तहत अंटार्कटिका महाद्वीप अपनी धन्नो के साथ क्रूज से यात्रा करते हुए पहुंचे और अपने यूट्यूब ट्रेवल वीडियो के माध्यम से इस सफेद महाद्वीप के सौंदर्य और विशेषताओं से रूबरू करवाया। उनके बनाए जीवंत वीडियोस और अपने अध्ययन से यहां अंटार्कटिका के विशेष जीवों के बारे में जानना भी दिलचस्प होगा जो इस क्षेत्र की विशेष पहचान और प्रतीक बने हैं।

अंटार्कटिका, जिसे 'श्वेत महाद्वीप' और 'ठंडा रेगिस्तान' भी कहा जाता है, पृथ्वी का सबसे दुर्गम स्थान है। यहाँ की अत्यधिक ठंड, बर्फीली हवाओं और शुष्क वातावरण में जीवित रहने के लिए यहाँ के जीवों ने अद्भुत विकासवादी बदलाव किए हैं।

पेंगुइन (Penguins) अंटार्कटिका के सबसे प्रसिद्ध निवासी हैं। यहाँ मुख्य रूप से एम्परर और एडली पेंगुइन पाए जाते हैं। इनके शरीर पर वसा की एक मोटी परत होती है जो इन्हें गर्म रखती है। इनके पंख छोटे और मजबूत होते हैं, जो तैरने में पतवार की तरह काम करते हैं। एम्परर पेंगुइन भीषण सर्दियों में भी अंडे देते हैं। नर पेंगुइन अंडे को अपने पैरों पर रखकर दो महीने तक भूखे रहकर उसे गर्म रखता है, जबकि मादा शिकार के लिए समुद्र में जाती है। एक अन्य महत्वपूर्ण प्राणी है सील (Seals)। वेडेल सील, लेपर्ड सील और एलीफेंट सील जैसी इनकी प्रजातियाँ होती हैं। वेडेल सील बर्फ के नीचे 600 मीटर की गहराई तक गोता लगा सकती हैं और घंटों तक अपनी सांस रोक सकती हैं। लेपर्ड सील यहाँ की एक खतरनाक शिकारी है। ये जीव अपना अधिकांश समय पानी में बिताते हैं, लेकिन आराम करने और बच्चों को जन्म देने के लिए बर्फ की चट्टानों (Ice floes) पर आते हैं।

व्हेल प्राणी अंटार्कटिका के ठंडे समुद्र में ब्लू व्हेल, किलर व्हेल और हम्पबैक व्हेल बहुतायत में पाई जाती हैं। ये दुनिया के सबसे बड़े स्तनधारी जीव हैं। ये मुख्य रूप से सूक्ष्म जीवों और 'क्रिल' को खाकर जीवित रहते हैं। सर्दियों में ये गर्म समुद्रों की ओर प्रवास (migration) कर जाती हैं और गर्मियों में भोजन के लिए वापस अंटार्कटिका आती हैं। 19वीं और 20 वीं सदी में, अंटार्कटिका के आसपास व्हेल और सील का शिकार उनके बहुमूल्य तेल (जलाने और स्नेहक के लिए) और वसा (खाद्य) के लिए होता था, जिससे उनकी संख्या बहुत कम हो गई थी। अब यह प्रतिबंधित हो गया है। साइकिल बाबा के वीडियो में हमने कुछ ऐसे भी स्थल देखे जहां इन जीवों के शिकार और तेल निकाले जाने के संयंत्र के अवशेष और जमा हुआ रक्त और पिंजर भी दिखाई देते हैं। हालांकि अब, व्हेल और सील की आबादी इन ऐतिहासिक शिकार से उबर रही है, लेकिन जलवायु परिवर्तन उनके पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक नया खतरा अवश्य है।

अंटार्कटिक क्रिल अंटार्कटिका के पारिस्थितिकी तंत्र की 'आधारशिला' है। यह झींगे जैसा दिखने वाला एक छोटा जीव है। अंटार्कटिका के लगभग सभी बड़े जीव (व्हेल, पेंगुइन, सील) प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भोजन के लिए क्रिल पर निर्भर हैं।

अंटार्कटिका जैसे बेहद ठंडे क्षेत्र के जीव अपने विशेष तरीकों से जीवित रह पाते हैं। यहाँ की कुछ मछलियों (जैसे आइसफिश) के खून में खास प्रोटीन होता है जो उनके रक्त को जमने नहीं देता। पेंगुइन कड़ाके की ठंड से बचने के लिए एक-दूसरे से चिपककर (Huddling) खड़े होते हैं, जिससे शरीर की गर्मी बनी रहती है। 'स्नो पेट्रल' जैसे पक्षियों का रंग बिल्कुल सफेद होता है, जिससे वे बर्फ में छिप जाते हैं और शिकारियों से बचे रहते हैं। अब यदि अंटार्कटिका की पहचान पेंग्विन की बात करें विशेष रूप से एम्परर पेंग्विन, का जीवन केवल जीवित रहने का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन के लिए भी कई गहरे सबक देता है। एक मनुष्य पेंग्विन से अनेक बातें सीख सकता है।

पेंग्विन हमें टीम वर्क और निस्वार्थ सहयोग (हडलिंग) का पाठ पढ़ाते हैं कि कठिन समय में साथ रहना ही बचने का एकमात्र तरीका है। जब वे कड़ाके की ठंड में 'हडल' (झुंड) बनाते हैं, तो केंद्र में मौजूद पेंग्विन सबसे ज्यादा सुरक्षित और गर्म होते हैं। लेकिन वे वहां हमेशा नहीं रहते; वे बारी-बारी से बाहर की ठंडी परिधि पर जाते हैं ताकि बाहर वालों को अंदर आने का मौका मिले।

स्पष्ट संदेश है कि सफलता और सुरक्षा साझा होनी चाहिए। समाज में दूसरों के हितों का ध्यान रखना अंततः सबके हित में होता है। पेंग्विन के जोड़े में काम का बंटवारा अद्भुत होता है। जब मादा भोजन की तलाश में जाती है, तो नर अंडे की पूरी जिम्मेदारी संभालता है। वे एक-दूसरे पर अटूट भरोसा करते हैं। उनकी लैंगिक समानता और साझेदारी हमे सिखाती है कि परिवार और समाज की जिम्मेदारी किसी एक लिंग (जेंडर) की नहीं है। आपसी सहयोग और बराबरी से ही बड़े लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है।

नर एम्परर पेंग्विन बिना कुछ खाए-पिए, महीनों तक बर्फीले तूफानों के बीच खड़े रहकर अंडे की रक्षा करते हैं। वे विपरीत परिस्थितियों में भी अपना संयम नहीं खोते। उनका अत्यधिक धैर्य और सहनशीलता प्रेरित करती है। जीवन में आने वाली मुश्किलों और 'प्रतीक्षा के समय' को धैर्य के साथ काटना चाहिए। कठिन समय हमेशा के लिए नहीं रहता। पेंग्विन बर्फ पर चलने के बजाय अपने पेट के बल फिसलते हैं (टोबोगनिंग) ताकि उनकी ऊर्जा बची रहे। वे अनावश्यक ऊर्जा बर्बाद नहीं करते। संसाधनों का कुशलता से उपयोग (एनर्जी कंजर्वेशन) करते हैं। कुशलता (इफिशिएंसी) का अर्थ है कम संसाधनों और ऊर्जा में बेहतर परिणाम पाना। सीख मिलती है हमें कि जीवन में व्यर्थ के तनाव और संघर्ष से बचकर अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगानी चाहिए।

पेंग्विन मूल रूप से पक्षी हैं, लेकिन उन्होंने उड़ने के बजाय पानी में तैरने की कला सीखी क्योंकि उनके वातावरण की यही मांग थी। उन्होंने अपनी कमजोरी (न उड़ पाना) को अपनी ताकत (बेहतरीन तैराक) में बदल दिया। उनकी अनुकूलन क्षमता (एडॉप्टेबिलिटी) सचमुच अनुकरणीय है। स्थितियां बदलने पर खुद को बदलना जरूरी है। जो समय के साथ खुद को ढाल लेता है, वही आगे बढ़ता है।

पेंग्विन का पूरा जीवन एक चक्र और अनुशासन में बंधा होता है। भोजन खोजने से लेकर बच्चों की परवरिश तक, वे हर काम एक निश्चित लय में करते हैं। जीवन में अनुशासन होने से बड़े से बड़े संकट को भी व्यवस्थित तरीके से पार किया जा सकता है। पेंग्विन यह भी सिखाते हैं कि बाहरी दुनिया चाहे कितनी भी ठंडी या कठोर क्यों न हो, यदि आपके भीतर अपनों के प्रति प्रेम की गर्माहट और साथ निभाने का जज्बा है, तो आप जीवित रह सकते हैं।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं ।

आखिर आपराधिक मनोवृत्ति इतनी क्यों पनप रही है ?

तकनीक की दुनिया ने आदमी का जीवन बहुत आसान बना दिया है, लेकिन इसका दुरुपयोग भी कम नहीं हो रहा। परिणामस्वरूप सामाजिक परिवेश में सर्वथा अकल्पनीय अपराधों की बाढ़ सी आती जा रही है। मानसिक विकृति का तो यह आलम है कि कच्ची उम्र में ही आपराधिक सोच के नजारे दिखाई देने लगे हैं। आखिर इस मनोविकृति का मूल कारण क्या है? इस सवाल का जवाब तो हर कोई बहुत आसानी के साथ दे सकता है। क्योंकि हर कोई जानता है कि टीवी खोलने पर तमाम तरह के धरावाहिक, विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रम, नाचने गाने के नजारें और तमाम तरह के विज्ञापन, हमारे अपने बाल-बच्चों को आखिर किस संस्कार में ढाल रहे है ?

आए दिन सुर्खियां बनती आपराधिक घटनाएं हर उम्र और वर्ग में तेजी से पनपती वैचारिक विकृति की ओर चीख-चींख कर इशारा करती है। इसके चलते सामाजिक परिवेश में रिश्तों की मर्यादा भी दांव पर लगती दिखाई देती है। जो मामले पकड़ में आ जाते है, चर्चा तो उसी की होती है। लेकिन ऐसे मामलों के चलते यह तथ्य स्पष्ट होता है कि कौन, कब, कहां, कैसे भटक जाए, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। दरअसल हर किसी के घर आंगन में और तो और हर किसी की जेब में वह सब साधन और संसाधन उपलब्ध है, जिसके चलते मनोविकार को पंख लग जाते हो। दरअसल तकनीक का दुरुपयोग ही वह कारण है जिसके चलते वरदान भी अभिशाप सिद्ध होने लगा है।

हालांकि तकनीक की दुनिया ने आदमी का जीवन बहुत आसान बना दिया है, लेकिन इसका दुरुपयोग भी कम नहीं हो रहा। परिणामस्वरूप सामाजिक परिवेश में सर्वथा अकल्पनीय अपराधों की बाढ़ सी आती जा रही है। मानसिक विकृति का तो यह आलम है कि कच्ची उम्र में ही आपराधिक सोच के नजारे दिखाई देने लगे हैं। आखिर इस मनोविकृति का मूल कारण क्या है? इस सवाल का जवाब तो हर कोई बहुत आसानी के साथ दे सकता है। क्योंकि हर कोई जानता है कि टीवी खोलने पर तमाम तरह के धरावाहिक, विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रम, नाचने गाने के नजारें और तमाम तरह के विज्ञापन, हमारे अपने बाल-बच्चों को आखिर किस संस्कार में ढाल रहे है ?

वरना एक जमाना था तब बच्चों और नव युवाओं को फिल्म देखने जाने पर परिजनों द्वारा तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए जाते थे। केवल और केवल धार्मिक तथा साफ सुथरी फिल्मों को देखने की अनुमति भी बेमन से दी जाती थी। विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं एवं समाचार पत्रों में भी विज्ञापन के नाम पर काफी हद तक अश्लील चित्रों का प्रकाशन नहीं हुआ करता था। लेकिन, लेकिन आज स्थिति क्या है? दरअसल जानते सब है कि आखिर सामाजिक परिवेश में इस कदर मनोविकृति के विस्तार की मुख्य वजह क्या है ? बावजूद इसके किसी भी स्तर पर ऐसी कोई पहल नहीं होती, जिसके चलते इन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

वैसे कहने को बहुतेरे ऐसे कानूनी प्रावधान है जिसके चलते गलत प्रसारण या प्रकाशन पर नियंत्रण लगाया जा सके। लेकिन व्यवहार मे देखा गया है कि ऐसे तमाम कानून के परिपालन के प्रति गंभीरतापूर्वक संज्ञान नहीं लिया जाता। इसके अतिरिक्त फैशन परस्त मानसिकता के चलते भी सामाजिक विकृति को पंख लगते दिखाई देते है। कम से कम कपड़े पहन कर आखिर नई पीढ़ी समाज में कौन सा संदेश देना चाहती है ? शादी के पूर्व प्री वेडिंग शो ? आखिर किसलिए ? नाच गाना और धूम धड़ाका हर वैवाहिक कार्यक्रम का एक आकर्षण रहा है। लेकिन इस समय इसका जो स्वरूप दिखाई देता है, उसमें सामाजिक मर्यादा तो ताक पर रखी दिखाई देती है।

आज स्थिति यह है कि नई पीढ़ी के लिए उच्चस्तरीय आदर्श के प्रतिमान भी काफी हद तक बदले हुए दिखाई देते हैं। कहीं फिल्मी सितारों या ख्यात खिलाड़ियों का अनुसरण करने की होड़ दिखाई देती है, तो कहीं छोटे-छोटे बच्चों में नाच गाने की होड़ सी मची दिखाई देती है। आश्चर्यजनक रूप से बच्चों की इस मानसिकता को उनके परिजन प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से बढ़ावा देते हुए भी नजर आते है। अब वह समय नहीं रहा जब नानी-दादी के किस्से कहानियों में बच्चों क मन रम जाता था। महापुरुषों के संस्मरण उनके बाल मन मे उच्चस्तरीय आदर्श का बीजारोपण किया करते थे। आजकल तो गोदी का बच्चा भी बिना टीवी या मोबाइल देखे, खाना पीना कर लेगा, यह गारंटी के साथ तो कहा ही नहीं जा सकता।

यही नहीं अपितु नई पीढ़ी के खानपान और जीवन शैली में भी तथाकथित आधुनिकता के नाम पर नित नए परिवर्तन दिखाई देते हैं। जिसका विपरीत प्रभाव सेहत पर पड़े बिना नहीं रहता। लेकिन पाश्चात्य शैली का अंधानुकरण कर प्रगतिशील होने का दंभ करते हुए आत्ममुग्ध अवस्था को प्राप्त होना, न जाने क्यों संतुष्टि का कारक माना जा रहा है। खाने-पीने के साथ-साथ ओढ़ने पहनने के तौर तरीके में देखादेखी परिवर्तन कुल मिलाकर समाज को गलत दिशा की ओर ले जा रहा है। इन तमाम विकृतियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए हर एक परिजन को परिवार की मान-मर्यादा बनाए रखने की दिशा में सतर्क रहने की जरूरत है। पारिवारिक अनुशासन का सख्ती से परिपालन भी सुनिश्चित करना होगा।

बीते दौर में वरिष्ठजनो का काफी लिहाज किया जाता था 'आंख की शरम' जैसी भी कोई चीज हुआ करती थी। लेकिन अब वह दौर कहां ? ऐसा भी नहीं है कि पुरानी पीढ़ी के वरिष्ठजनों द्वारा नई पीढ़ी के हाव-भाव और व्यवहार को लेकर टोकाटाकी नहीं की गई हो। लेकिन आजकल का समय ही ऐसा आ गया है कि हर कोई अपनी' पर्सनल लाइफ ' में हस्तक्षेप सहन नहीं कर करता। यही कारण है कि बहुतेरे परिवार ऐसे भी होंगे जिसके वरिष्ठजन नई पीढ़ी के तौर तरीकों से इत्तेफाक नहीं रखते, लेकिन चुप्पी साध कर बैठे रहने में ही अपनी भलाई समझते हैं। इन सब परिस्थितियों का मिलाजुला परिणाम यह निकलता है कि नई पीढ़ी लगातार निरंकुश होती चली जाती है।

उक्त तमाम परिस्थितियों में भावी सामाजिक परिवेश में तीव्र गति से आपराधिक मानसिकता का विस्तार होने लगा है। इस स्थिति पर रोक लगाने हेतु शासन-प्रशासन के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठन, परिजन एवं संत समुदाय को आगे आना होगा। दरअसल हर घर परिवार में बच्चों को बाल्यकाल से ही नैतिक शिक्षा और उच्चस्तरीय आदर्श का पाठ पढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। अन्यथा वर्तमान दौर में समाज का जो यह स्वरूप दिखाई दे रहा है, आने वाले दौर में और भी अधिक विकृत होता चला जाएगा। दरअसल नई पीढ़ी तो कच्ची मिट्टी की भांति है, उसे जैसा आकार देंगे, ढल जाएगी। इसलिए उनके स्वर्णिम भविष्य की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में हमें आवश्यक कदम उठाना समय की मांग है।

सरोकार

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक मप्र जनसंपर्क विभाग के पूर्व अधिकारी हैं।

एनजीटी के निर्देश के पालन से ही मिलेगा स्वच्छ जल

मुख्यमंत्री से यह अपेक्षा इसलिए भी कि उन्होंने इन्दौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के बाद पूरे प्रदेश में दो चरणों में जनसुनवाई का प्रदेशव्यापी अभियान शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने स्वच्छ जल अभियान की घोषणा करते हुए प्रथम चरण 10 जनवरी से 28 जनवरी तक चलाने के निर्देश दिए है। इसी तरह दूसरा चरण 1 मार्च से 31 मई तक चलाया जायेगा। इस अभियान के अंतर्गत हर शहर में हर मंगलवार को जनसुनवाई होगी। इसमें कोई भी व्यक्ति पीने के पानी से जुड़ी समस्या बता सकेगा। अभियान के अंतर्गत समस्त जल शोधन यंत्रों एवं पेयजल संग्रहण टंकियों की नियमित सफाई की जाएगी। जीआईएस मैप आधारित एप के माध्यम से निगरानी भी की जाएगी।

इन्दौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हो रही मौतों के बीच हाल ही में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने भी मध्यप्रदेश में पेयजल व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए सबको स्वच्छ जल मिले इसके लिए विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का पालन करने से सबको स्वच्छ जल मिल सकने की संभावना है। प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से अपेक्षा है कि वे ट्रिब्यूनल के निर्देश का पूरा पालन कराएंगे, ताकि सबको स्वच्छ जल मिल सके।

मुख्यमंत्री से यह अपेक्षा इसलिए भी कि उन्होंने इन्दौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के बाद पूरे प्रदेश में दो चरणों में जनसुनवाई का प्रदेशव्यापी अभियान शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने स्वच्छ जल अभियान की घोषणा करते हुए प्रथम चरण 10 जनवरी से 28 जनवरी तक चलाने के निर्देश दिए है। इसी तरह दूसरा चरण 1 मार्च से 31 मई तक चलाया जायेगा। इस अभियान के अन्तर्गत हर शहर में हर मंगलवार को जनसुनवाई होगी। इसमें कोई भी व्यक्ति पीने के पानी से जुड़ी समस्या बता सकेगा। अभियान के अंतर्गत समस्त जल शोधन यंत्रों एवं पेयजल संग्रहण टंकियों की नियमित सफाई की जाएगी। जीआईएस मैप आधारित एप के माध्यम से निगरानी भी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के इन्दौर के

भागीरथपुरा में दूषित जल पीने से 24 लोगों की अकाल मौत हो गई। हालांकि सरकार 15 मौतें ही मान रही है। राज्य सरकार प्रत्येक मृतक के परिवार को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता भी दे रही है। इस आर्थिक सहायता को बढ़ाने की माँग भी की जा रही है।

एनजीटी (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) की सेन्ट्रल जोन बेंच ने राज्य सरकार और सभी नगर निगमों को फटकार लगाते हुए यह भी कहा कि दूषित पेयजल पर्यावरण, जनस्वास्थ्य और संविधान के अनुच्छेद 21 का सीधा उल्लंघन भी है। एनजीटी ने इन्दौर के साथ ही पूरे प्रदेश में दूषित पानी से फैली बीमारियों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए यह भी कहा है कि यह समस्या अकेले इन्दौर की नहीं है। भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, खरगोन जैसे शहरों में भी यही हाल है।

एनजीटी ने अपने निर्देश में यह भी कहा है कि अब मध्यप्रदेश के हर शहर में पानी की गुणवत्ता की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। शिकायत के लिए 24म7 वाटर ऐप बनाना होगा। पाईपलाईन से लेकर टंकियों तक जिम्मेदारी तय करनी होगी। एनजीटी ने अपने निर्देश में यह भी कहा है कि प्रदेश के सभी तालाबों, कुएं, बावड़ी के पास से अतिक्रमण हटाएं जाए। हर घर पानी का मीटर लगाएं। पानी का नियमित क्लोरीनेशन की जाए। तालाबों में मूर्ति विसर्जन पर भी रोक लगाई जाए। एनजीटी ने भोपाल के तालाबों पर भी संज्ञान लेते हुए कहा है कि भोपाल के छोटा तालाब, शाहपुरा आदि में फीकल कोलीफार्म मिला है। यहीं से भोपाल के 5 लाख लोगों को पीने का पानी प्रदाय किया जा रहा है।

एनजीटी ने केन्द्र सरकार के आंकड़ों से ही दूषित पेयजल की गंभीरता बताते हुए कहा कि देश में हर साल दूषित पानी पीने से 2 लाख लोग मर जाते हैं। सन 2005 से 2022 तक पानी से होने वाली बीमारियों में 86 प्रतिशत केस डायरिया के मिले हैं। एनजीटी ने केन्द्र के आंकड़ों को अत्यन्त गंभीर बताते हुए इससे बचने के उपाय पर गंभीरतापूर्वक कार्य करने की जरूरत भी बताई।

एनजीटी ने मध्यप्रदेश के शहरों में स्वच्छ जल आमजन को मिले, इसके लिए विस्तृत निर्देश दिए है। किन्तु ये निर्देश केवल कागजों पर नहीं रहे, उन्हें अमलीजामा भी पहनाया जाए यह जरूरी है। मुख्यमंत्री से यह अपेक्षा है कि वे प्रदेश में आमजन को स्वच्छ जल मिले, इसके लिए एनजीटी के निर्देशों को अमलीजामा पहनायेंगे, ताकि आमजन को स्वच्छ जल मिल सके।

विहिप के प्रखंड अध्यक्ष अरविंद नियुक्त

सोहागपुर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की जिला बैठक सेमरी हरचंद में संपन्न हुई ।बैठक में विभाग के पालक अधिकारी प्रांत सह मंत्री जितेंद्र सिंह चौहान विभाग सह मंत्री राजेंद्र सिंह राजपूत, विभाग संगठन मंत्री उमेश पाराशर, प्रांत सुरक्षा प्रमुख श्रीकांत पटेल, जिला मंत्री महेंद्र साहू ,जिला संयोजक रोहित ठाकुर, जिला सहसंयोजक रूपेश रघुवंशी एवं सभी प्रखंडों के अध्यक्ष मंत्री संयोजक आदि उपस्थित थे। बैठक में सोहागपुर प्रखंड का अध्यक्ष अरविंद पटेल को नियुक्त किया गया है ।

उनकी नियुक्ति पर विहिप बजरंग दल के अधिवक्ता शिवकुमार पटेल, श्रीकांत पटेल, विशाल राठौर, राजकुमार को, रजत पटेल,कृष्णा सारंग, संजू रघुवंशी, नीरज रघुवंशी,रितेंद्र राजपूत, भरत तिवारी,अनमोल खंडेलवाल, अर्जुन कुशवाहा ने हर्ष व्यक्त किया है।

देवास में दिनदहाड़े 6 लाख की चोरी, बैंक से पीछा कर वारदात को दिया अंजाम

देवास। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में आज दिनदहाड़े एक बुजुर्ग व्यक्ति के साथ बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। स्टेशन रोड स्थित यूनियन बैंक से पैसे निकालकर अलंकार मार्केट स्थित एक समता बैंक पहुंचे बुजुर्ग की एक्टिवा से अज्ञात बदमाश 6 लाख रुपये लेकर फरार हो गए।

पीड़ित बुजुर्ग ने बताया कि वह मकान निर्माण के लिए दो अलग-अलग बैंकों से रकम निकालकर लाए थे। अलंकार मार्केट स्थित बैंक का काम निपटाने के बाद जब वे सुभाष चौक पर झंडे की दुकान से झंडा लेने गए और वापस अपनी एक्टिवा के पास लौटे, तो देखा कि गाड़ी में रखे 6 लाख रुपये गायब थे। घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालना शुरू कर दिया। बुजुर्ग का कहना है कि संभवतः अज्ञात बदमाश बैंक से ही उनका पीछा कर रहे थे और मौका पाकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

संकल्प से समाधान अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा कर सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों में पात्रता अपात्रता का परीक्षण कर पात्रों को लाभान्वित किया जाएं। इसी प्रकार बीएलसी घटक के आवेदनों का भी निराकरण किया जाएं। उन्होंने एएचपी घटक के तहत पूर्ण हुए आवासों को हस्तांतरण

की कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन की निकायवार समीक्षा कर स्वच्छता के निर्धारित मापदंडों पर गंभीरतापूर्वक काम करने के निर्देश सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मुख्यमंत्री वृदांवन योजना की समीक्षा कर उप संचालक पशुपालन विभाग को निर्देशित किया कि पशु संरक्षण एवं संवर्धन के लिए योजना के तहत प्रभावी कार्ययोजना बनाएं और क्रियान्वयन कराए। योजना के तहत प्राथमिकता के अनुसार बजट आवंटन की कार्यवाही भी की जाएं। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में राजस्व वसूली, राजस्व प्रकरणों के निराकरण, फॉर्मर रजिस्ट्री और स्वामित्व योजना की प्रगति की समीक्षा कर निर्धारित समय अवधि में राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया जाएं। संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा कर सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि अभियान के तहत गठित दल डोर टू डोर भ्रमण कर जनसामान्य के आवेदनों का कलेक्शन किया जाएं और आवेदनों को ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड भी किया जाएं।

पुलिस ने किया अंधे कत्ल का खुलासा

हत्या को सड़क दुर्घटना बताने शव को मोटर साइकिल से दबाया

बैतूल। मोहदा पुलिस द्वारा ग्राम जिरुढाना निवासी व्यक्ति की नृशंस हत्या के अंधे प्रकरण का तकनीकी साक्ष्यों एवं विवेचना के माध्यम से खुलासा किया गया है। आरोपियों द्वारा हत्या को सडक़ दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया था, जिसे पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई कर असफल कर दिया। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 14 जनवरी को थाना मोहदा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम जडिया एवं रोजड़ीखेड़ा के बीच पुलिया के समीप एक अज्ञात व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक विष्णुप्रसाद मौर्य पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल की प्रारंभिक कार्यवाही की गई। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर थाना प्रभारी मोहदा द्वारा घटनास्थल को सुरक्षित किया गया एवं वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। एसडीओपी भैंसदेही भूपेंद्र सिंह मौर्य एवं सीन ऑफ क्राइम यूनिट प्रभारी निरीक्षक आबिद अंसारी द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर भौतिक साक्ष्य संकलन एवं विधिवत फोटोग्राफी कराई गई। मृतक की शिनाख्त लब्बू पिता सुकु यादव, उम्र 45 वर्ष, निवासी जिरुढाना के रूप में हुई। शव के निरीक्षण में मृतक के सिर में 5-6 गहरे धारदार हथियारों से किए गए घाव पाए गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भी मृत्यु का कारण हत्या होना स्पष्ट हुआ। जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों द्वारा मृतक के शव को पुलिया के नीचे फेंककर उसके ऊपर मोटरसाइकिल रख दी गई थी, जिससे घटना को सडक़ दुर्घटना का रूप दिया जा सके। फरियादी रामप्रसाद पिता सुकु यादव, उम्र 35 वर्ष, निवासी जिरुढाना की सूचना पर थाना मोहदा में अज्ञात आरोपियो के विरुद्ध अपराध धारा 103(1), 61(2), 238, 3(5) बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया। एसडीओपी भैंसदेही के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों एवं पूछताछ के दौरान यह उजागर हुआ कि कविता यादव के पति की मृत्यु 6-7 महीने पूर्व हो चुकी थी। कविता पर मृतक बुरी नियत रखता था एवं परेशान करता था और बार बार मिलने जाता था, जिससे परेशान होकर आरोपिया कविता यादव ने अपने देवर एवं पड़ोसी जो महिला के हितैषी थे के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

षड्यंत्र के तहत आरोपिया कविता यादव ने मृतक को अपने सांगवानी वाले खेत की टप्पर पर बुलाया, जहां पहले से छुपे अपने साथियों, सह-आरोपियों राजू यादव, संतोष यादव एवं रामप्रसाद यादव ने कुल्हाड़ी एवं पत्थरों से हमला कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के उपरांत शव को मृतक की ही मोटर साइकिल से जडिया एवं रोजड़ीखेड़ा के बीच पुलिया के पास फेंक दिया गया, जिससे घटना को दुर्घटना प्रतीत कराया जा सके। इस मामले में पुलिस ने कविता यादव पति स्व. श्रीराम यादव, उम्र 30 वर्ष, राजू यादव पिता तिलक यादव, उम्र 31 वर्ष, संतोष यादव पिता लुटिया यादव, उम्र 30 वर्ष, रामप्रसाद यादव पिता रामाधार यादव, उम्र 30 वर्ष सहित अन्य को आरोपी बनाया है। इस जघन्य अंधे हत्याकांड का खुलासा थाना मोहदा पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र, सतर्क विवेचना एवं टीमवर्क के माध्यम से किया गया. इस सफल कार्यवाही में एसडीओपी भैंसदेही भूपेंद्र सिंह मौर्य, निरीक्षक विष्णु प्रसाद मौर्य थाना प्रभारी मोहदा, निरीक्षक आबिद अंसारी, सीन ऑफ क्राइम एक्सपर्ट बैतूल, निरीक्षक हरिओम पटेल, उनि वहिद खान, उनि रामस्वरूप रघुवंशी, उप निरीक्षक आम्रपाली डाहट, सउनि आर.डी. वर्मन, सउनि मुजफ्फर हुसैन, प्रधान आरक्षक सचिन माहोरे, महिला प्रधान आरक्षक गायत्री पन्द्रे, प्रधान आरक्षक बलवंत कुमरे, प्रधान आरक्षक सुभाष माकोड़े, आरक्षक राजेंद्र की सराहनीय भूमिका रही।

महिला अधिवक्ता कक्ष के लिए विवेक तंखा ने स्वीकृत की 15 लाख की राशि

पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे ने अधिवक्ता संघ को सौंपा राशि स्वीकृति पत्र

बैतूल। मुलताई नगर के अभिभाषक संघ के लिए महिला अधिवक्ताओं की सुविधा हेतु पृथक कक्ष एवं शौचालय निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे के प्रयासों से मुलताई में 15 लाख रुपए की लागत से महिला अधिवक्ता कक्ष का निर्माण किया जाएगा। मालूम हो कि गत दिनों पवित्र नगरी के एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने आए देश के ख्यातिनाम अधिवक्ता एवं राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा से अधिवक्ता संघ के प्रतिनिधियों ने पांसे के निवास पर मुलाकात की थी। इस अवसर पर पांसे द्वारा अभिभाषक संघ मुलताई के लिए महिला अधिवक्ता कक्ष एवं शौचालय निर्माण हेतु 15 लाख रुपये की राशि की मांग रखी गई थी। विवेक

तन्खा ने इस मांग को तत्काल स्वीकार करते हुए न केवल राशि स्वीकृत की, बल्कि आवश्यकता अनुसार इससे अधिक सहयोग देने की भी सहमति जताई। साथ ही उन्होंने प्रस्तावित अधिवक्ता कक्ष का नाम नगर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं न्यायमूर्ति रहे धर्माधिकारी परिवार के नाम पर रखने का सुझाव दिया।अपने दिए गए आश्वासन को पूरा करते हुए तन्खा ने कलेक्टर, बैतूल को निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान किए जाने संबंधी पत्र प्रेषित किया है, जिसे पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे ने आज अभिभाषक संघ के अध्यक्ष चंद्रशेखर चंदेल को सौंपा। पूर्व में भी मिल चुका है महत्वपूर्ण सहयोग उल्लेखनीय है कि सुखदेव पांसे द्वारा इससे पूर्व भी अभिभाषक संघ मुलताई को अधिवक्ताओं के बैठने हेतु 5 लाख रुपये की लागत से हाल निर्माण, 2 लाख रुपये की राशि से शुद्ध पेयजल हेतु वाटर फिल्टर तथा 2 लाख 50 हजार रुपये की राशि से फर्नीचर निर्माण कार्य कराया जा चुका है। इनकी रही उपस्थिति इस अवसर पर बार संघ अध्यक्ष चंद्रशेखर चंदेल, पूर्व बार संघ अध्यक्ष गिरधर यादव, जी.जी. घोड़े, धनराज धोटे, शंकरराव बंजारे, प्रमोद कोसे, पंकज यादव, श्रवणकुमार गुर्जे, दीपक उकंडे, राजू साहू, डी.एस. बेले सहित अनेक अधिवक्ता एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमल सोनी, अरुण यादव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, शिवकुमार माहोरे, प्रहलाद सिंह परमार, किशोर सिंह परिहार, नीतेश साहू, सुमित शिवहरे, शेख जाकिर, अनुराग मिश्रा, पिंटू ठाकरे, लोकेश यादव उपस्थित रहे।

नाक-कान-गला रोग निःशुल्क जांच शिविर में 140 का उपचार

बैतूल। नाक, कान एवं गला रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए होटल रामकृष्ण के सामने, कारगिल चौक, सदर, बैतूल में निःशुल्क जांच शिविर आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 140 मरीजों की जांच कर उपचार की गई। शिविर में ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. मीनाक्षी एम्बुलकर मौजूद रही। जिन्होंने मरीजों को नाक, कान और गले से संबंधित सभी प्रकार की बीमारियों की निशुल्क जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श दिया। डॉ.मीनाक्षी एम्बुलकर ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर के दौरान कान से बहना, कम सुनाई देना, चक्कर आना, सिर दर्द, नाक, कान या गले में दर्द अथवा चुभन, नाक बंद रहना, साइनस की समस्या, नाक से खून आना, अत्यधिक छींक आना, सोते समय खर्राटे आना, आवाज बैठ जाना, मुंह न खुलना, खाना निगलने में परेशानी, मुंह में छाले तथा गले में गांठ जैसी समस्याओं की विशेष रूप से जांच की गई। सभी समस्याओं से पीड़ित मरीजों को उपचार संबंधी आवश्यक सलाह दी।

शराब के नशे में विवाद के बाद गला दबाकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। रगडग़ांव में एक कुएं में मिले युवक के शव की गुत्थी पुलिस ने सोमवार को सुलझा ली है। 14 जनवरी को मिले इस शव की पहचान राज ठाकुर (20) निवासी मासोद के रूप में हुई थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि यह डूबने का मामला नहीं, बल्कि हत्या थी। थाना मुलताई के चौकी मासोद क्षेत्र में ग्रामीणों ने कुएं में एक युवक का शव देखा था। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को बाहर निकाला और उसकी शिनाख्त की। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ, जिसके बाद पुलिस ने गहन पड़ताल शुरू की। मृतक के परिजन चैनसिंह ठाकुर ने बताया कि राज ठाकुर 13 जनवरी को अपने ममेरे भाई डेविड राजपूत के साथ रगडग़ांव गया था। शाम को दोनों अलग हो गए थे, जिसके बाद राज घर नहीं लौटा था। थाना प्रभारी नरेंद्र परिहार की टीम ने डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट टीम

के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। कुएं का पानी खाली कर शव को निकाला गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि मृतक की मौत गला दबाने से श्वास रुकने के कारण हुई थी। तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने गांव के ही अमित कुमरे (19) को हिरासत में लिया। पूछताछ में अमित ने अपना अपराध कबूल कर लिया। उसने बताया कि 13 जनवरी की शाम शराब के नशे में राज ठाकुर से उसका झगड़ा हुआ था। विवाद के दौरान राज द्वारा गाली-गलौज और थप्पड़ मारने पर अमित ने अपने गले में पहना गमछा राज के गले में डालकर दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद अमित ने सबूत मिटाने के उद्देश्य से राज के शव को कुएं में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त गमछा और मृतक का आधार कार्ड बरामद किया है। आरोपी अमित कुमरे को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है। इस अंधे हत्याकांड का खुलासा करने में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी, एसडीओपी शिवकुमार सिंह, निरीक्षक आबिद अंसारी, चौकी प्रभारी रणधीर सिंह राजपूत सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लोक सेवा केंद्र में निःशुल्क वाले कार्यों पर भी वसूली का आरोप, अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

सुबह सवेरे सोहागपुर। लोक सेवा केंद्र सोहागपुर में आधार, बटांकन एवं अन्य निःशुल्क अथवा कम शुल्क वाले कार्यों पर धांधली की जा रही है अन्यथा कार्य नहीं किया जा रहा है । इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। उक्त ज्ञापन तहसीलदार आर एस झरबड़े नागरिकों ने सौंपा। इस अवसर पर शास्त्री वार्ड निवासी विशाल, गजेंद्र सिंह ठाकुर, गणेश प्रसाद अहिरवार, संजय दुबे, संदेश मिश्रा, राहुल रघुवंशी कलमेसरा, भगवत वंशकार, वीरेंद्र चौहान किशनपुर आदि उपस्थित थे। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि शास्त्री वार्ड सोहागपुर निवासी विशाल अपने दोनों बच्चों का आधार अपडेट करवाने के लिए लोक सेवा केंद्र गए । दोनों बच्चों की आयु 5 वर्ष एवं 15 वर्ष है । नियम अनुसार इन दोनों आयु वर्गों में आधार अपडेट मेंडेटरी होता है जिसपर कोई शुल्क नहीं लगता । आधार - जी द्वारा निःशुल्क के संदेश भी मोबाइल पर प्राप्त हुए हैं । परंतु

केंद्र पर रुपये 250 (125-125) जबरन वसूले गए। वहीं दूसरी शिकायत में ग्राम करनपुर तहसील सोहागपुर के कृषक गजेंद्र सिंह पिता रतन सिंह के अनुसार वे उनकी भूमि खसरा नम्बर 215/5 का नक्शा,बटांकन का आवेदन लेकर लोक सेवा केंद्र गए ,जहां उनका आवेदन लेने से मना करते हुए तहसील कार्यालय में संपर्क करने के लिए कहा । जब लोक सेवा केंद्र में कार्यरत कर्मचारी से उक्त कथन लिखकर देने के लिए कहा तो इंकार कर दिया। इसके पूर्व भी गजेंद्रसिंह ने सीमांकन के आवेदन देने का प्रयास किया गया तब भी उन कर्मचारियों द्वारा पहले राजस्व अधिकारियों के हस्ताक्षर करवाकर देने को कहा। महोदया जी अगर सीधे राजस्व अधिकारियों के हस्ताक्षर हो जाएं और सीमांकन/बटांकन की स्वीकृति मिल जाये तो लोक सेवा केंद्र की आवश्यकता ही न पड़े ।महोदया जी सोहागपुर लोक सेवा केंद्र की ऐसी भी शिकायतें प्राप्त हुई है जिसमे बताया गया है कि खसरे-नक्शे हेतु निर्धारित शुल्क तो ले लिया जाता है परंतु उसकी पावती नहीं दी जाती । पावती के लिए उन लोक सेवा केंद्र कर्मचारियों को कहना पड़ता है ।तबी पावती दी जाती हैं। अतएव माननीय महोदया जी से अनुरोध है इन समस्याओं का निराकरण कर न्याय दिलाया जाए। तथा सोहागपुर लोक सेवा केंद्र के संचालक सतना निवासी मनीष श्रीवास्तव का ठेका निरस्त किया जाए।

युवा कांग्रेस ने एसडीओपी को ओवर लोड ट्रेक्टर ट्राली पर रोक लगाने की मांग का ज्ञापन सौंपा

सुबह सवेरे सोहागपुर।

आज शाम युवा कांग्रेस ने अनुविभागीय अधिकारी पुलिस को ओवर लोड ट्रेक्टर ट्राली पर रोक लगाने, ट्राली के पीछे रेडियम की अनिवार्यता करने जिससे दुर्घटनाओं पर अंकुश लग सके। तथा शहर को बढ़ती चोरियों पर पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा। वहीं ज्ञापन का वाचन भी किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुधीरसिंह ठाकुर, मंजेश पटेल,अर्पित तिवारी,ऋषभ दीक्षित, सरपंच आजादसिंह पटेल करनपुर,नितिन चौरसिया, प्रतीक तिवारी,सचिन श्रोती, देवांशु शर्मा,जय भानु चंदे,राहुल साहू, इरफान खान,गोलू चौरसिया आदि उपस्थित थे। युवा कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष ऋषभ दीक्षित ने बताया शनिवार रात तीन नाबालिग स्कूली छात्रों की ओवरलोड ट्राली से टकराने पर दुखद मृत्यु होगयी थी। क्षेत्र में सैंकड़ों ओवर लोड ट्रेक्टर ट्रालिया बिना रेडियम, बिना नम्बर के सड़कों दौड़ रही है। इससे रात में पीछे से आसानी से नजर नहीं आती। ऐसी ओवर लोड वाहनो

पर रोक लगायी जाए। तथा ट्रालियो के पीछे रेडियम या टेल लाइट की अनिवार्यता की जाए। युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव अर्पित तिवारी ने बताया की युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता भी ट्रालियो के पीछे रेडियम लगाने का काम करेंगे। इसके अलावा ट्रेक्टर ट्राली मालिको को रेडियम लगाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विगत दिवस तीन होनहार छात्रों की ट्रेक्टर ट्राली से स्कूटी टकराने के कारण घटना स्थल पर मौत हो गई थी। इधर पुलिस ने सड़क दुर्घटना में चौधरी पेट्रोल पंप माय सिटी पिपरिया रोड सोहागपुर के पास में रोड पर नीले रंग का स्वराज 744 एक्स टी कंपनी का ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 05 जेड जी 3634 के चालक के द्वारा लापरवाहीपूर्वक बिना किसी संकेतक के ट्रैक्टर ट्रॉली खड़ा कर दिया था। जिसमें धान भरी हुई थी। उक्त ट्रैक्टर में रात्रि 8:00 करीबन बजे ग्राम आमदेही के मनु राज पिता प्रवीण रघुवंशी 15 वर्ष,अश्विन पिता ललित रघुवंशी 15 वर्ष एवं शिव पिता रामेश्वर रघुवंशी 14 वर्ष जो अपनी स्कूटी क्रमांक एमपी 05 जेड जी 3240 पर सोहागपुर से घर जा रहे थे। ट्रैक्टर की ट्राली में पीछे तरफ से टकराने से सिर में आई चोटों के कारण उक्त तीनों की मृत्यु हो गई थी जिस पर धारा 106 (1) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत होने से ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई ह प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया है विवेचना दौरान ट्रैक्टर चालक के अलावा ट्रैक्टर ट्रॉली मालिक की भी जिम्मेदारी तय विधि अनुसार कार्यवाही की जाएगी।धान से भरी ट्रैक्टर ट्राली को पुलिस थाने में खड़ा कराया गया है। नगर निरीक्षक उषा मरावी, एएसआई गणेश राय ने सभी नागरिकों से यातायात के नियमों का पालन करने का आह्वान किया है ताकि सुरक्षित रहेंद्य। इधर सेन्ट पैट्रिक स्कूल ने इस अत्यंत दुःखद सूचना के बाद सोमवार को अवकाश कर दिया था।

श्री शंभू दरबार में सात दिवसीय श्री राम कथा का समापन

सुबह सवेरे सोहागपुर

श्री शम्भू दरबार पलाश परिसर में ब्रह्मलीन पंडित भगवतीप्रसाद जी मुद्गल की स्मृति में हो रही सात दिवसीय राम कथा का समापन सोमवार को महा आरती एवं विशाल भंडारे के साथ संपन्न हुआ। कथा का वाचन अनंतश्री विभूषित हनुमत द्वार पीठाधीश्वर जगदगुरू रामानंदाचार्य स्वामी श्री धीरेन्द्राचार्य जी महाराज चित्रकूट धाम द्वारा किया गया। समापन के अवसर पर कथा श्री रामजी के राज्य अभिषेक के साथ पूर्ण हुई। सात दिवसीय कथा में डॉ प्रज्ञा भारती जी मांगरोल, महेन्द्रानंद जी महाराज, आचार्य अविनाश मिश्रा जी नर्मदापुरम,बालक दास जी निवावर, श्री हरि शरणम् जी

पिपरिया, मानस भवन भोपाल से डॉ देवेंद्र रावत जी, पूर्व विधायक गिरिजाशंकर जी शर्मा होशंगाबाद, पूर्व विधायक पिपरिया हरि जायसवाल जी, क्षेत्रीय विधायक विजयपाल सिंह, जनपद अध्यक्ष जालमसिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष लता यशवंत पटेल, कन्नूलाल अग्रवाल, संतोष मालवीय, लक्ष्मीनारायण सोनी, पुष्पराज सिंह पटेल आदि गणमान्य नागरिक समय समयपर भी सम्मिलित हुए।

स्मृति शेष

डॉ. तेज प्रकाश व्यास

प्रो. डी.के.बेलसरे-प्राणी विज्ञान के एक युग का अंत

डॉ. बेलसरे का शैक्षणिक सफर महानता की नींव पर बना था। वे सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के 'स्कूल ऑफ स्टडीज इन जूलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी' के तत्कालीन विभागाध्यक्ष व महान वैज्ञानिक प्रोफेसर हरस्वरूप जी (विख्यात जेनेटिक्स इंजीनियर एवं मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट) के प्रथम शोध छात्र (1963) होने का गौरव रखते थे। गुरु-शिष्य की इस जोड़ी ने भारतीय प्राणि विज्ञान को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित किया। वैश्विक शोध और उपलब्धियाँ अंतरराष्ट्रीय अनुभवः उन्होंने Baylor College of Medicine (USA) से पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप की और NEP फेलो के रूप में यूरोप के कई देशों में व्याख्यान दिए।

ग्लो | बल एंटी-एजिंग वैज्ञानिक वैश्विक स्तर के प्रख्यात जीव वैज्ञानिक और भोपाल विश्वविद्यालय के बायोसाइंस विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर डी.के. बेलसरे (Ph.D1963., D.Sc.1977, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय) अब हमारे बीच नहीं रहे। उनका निधन न केवल भारत बल्कि अंतरराष्ट्रीय जीवन विज्ञान जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

उज्जैन की ज्ञान परंपरा का स्वर्णिम गौरव

डॉ. बेलसरे का शैक्षणिक सफर महानता की नींव पर बना था। वे सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के 'स्कूल ऑफ स्टडीज इन जूलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी' के तत्कालीन विभागाध्यक्ष व महान वैज्ञानिक प्रोफेसर हरस्वरूप जी (विख्यात जेनेटिक्स इंजीनियर एवं मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट) के प्रथम शोध छात्र (1963) होने का गौरव रखते थे। गुरु-शिष्य की इस जोड़ी ने भारतीय प्राणि विज्ञान को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित किया। वैश्विक शोध और उपलब्धियाँ अंतरराष्ट्रीय अनुभवः उन्होंने Baylor College of Medicine (USA) से पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप की और NEP फेलो के रूप में यूरोप के कई देशों में व्याख्यान दिए।

डॉ.बेलसरे ने 37 से अधिक पुस्तकें और 200 शोध पत्र लिखे। उनकी पुस्तकें जैसे The Vanishing Roar of Bengal Tigers Introduction to Biodiversity आज भी अमेज़न (amazon) पर वैश्विक शोधकर्ताओं के लिए संदर्भ ग्रंथ हैं।

पर्यावरण रक्षकः उन्होंने जीन पूल फ्रैगमेंटेशन (Gene Pool Fragmentation) जैसी

महत्वपूर्ण थ्योरी दी, जिससे लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण को नई दिशा मिली।

सम्मानों से विभूषित व्यक्तित्व

उन्हें उनके असाधारण योगदान के लिए जूलॉजिकल सोसाइटी गोल्ड मेडल, 20वीं सदी का स्वर्ण पदक और बेस्ट सीनियर इंडियन साइंटिस्ट गोल्ड मेडल जैसे अनेक शीर्ष सम्मानों से नवाजा गया था। 9 दिसंबर 2022 को आपने और जूलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ बीएन पांडे (बोधगया) ने डॉ. हरस्वरूप जी के विश्व स्तरीय शताब्दी अकादमिक वैज्ञानिकों के आयोजन में जीवन तथा सरीसृप वैज्ञानिक एवम लेखक डॉ. तेज प्रकाश पूर्णानंद व्यास को प्रोफेसर हर स्वरूप स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

एक एंटी-एजिंग वैज्ञानिक के रूप में, मैं डॉ. तेज प्रकाश व्यास उनके बौद्धिक तेज और विज्ञान के प्रति उनके समर्पण को नमन करता हूँ। डॉ. बेलसरे ने न केवल जंतुओं और पर्यावरण का अध्ययन किया, बल्कि मानवता को प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर जीने का मार्ग भी दिखाया। ज्ञान का वह प्रकाश स्तंभ भले ही आज शांत हो गया हो, परंतु उनके द्वारा लिखी गई पुस्तकें और उनके विश्व में कार्यरत हजारों शिष्य इस दुनिया को हमेशा आलोकित करते रहेंगे। शत्-शत् नमन। विनम्र श्रद्धांजलि।

संक्षिप्त समाचार

नर्मदापुरम में दूषित पानी से मौत पर विरोध, 4 घंटे चला मौन धरना

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर शनिवार को नर्मदापुरम जिला मुख्यालय पर कांग्रेसियों ने एक दिवसीय मौन धरना दिया गया। शहर कांग्रेस कमेटी एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता महात्मा गांधी प्रतिमा के पास करीब 4 घंटे धरने पर बैठे। नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश बाथरे ने बताया सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक जिलेभर से मंडल अध्यक्ष आए। ठंड की वजह से एक घंटे पहले 3 बजे धरना खत्म किया गया। इंदौर के भागीरथपुरा इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों और महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के कानूनी अधिकार को समाप्त किए जाने के विरोध में यह धरना रखा गया। पूर्व विधायक गिरिजाशंकर शर्मा और कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवकांत पांडे के नेतृत्व में यह मौन धरना हुआ। धरने के दौरान कुछ पदाधिकारी आपस में बातचीत करते तो कोई मोबाइल देखने में ही व्यस्त नजर आए। धरना भी निर्धारित समय 4 बजे से पहले खत्म हो गया। इस अवसर पर सेवा दल यंग ब्रिगेड प्रदेश अध्यक्ष गजानंद तिवारी, नगर अध्यक्ष कमलेश बाथरे, महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस अध्यक्ष बाबू चौधरी समेत अन्य बैठे रहे।

कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस 21 जनवरी को

सीहोर (निप्र)। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में आगामी 21 जनवरी 2026 बुधवार को कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस के प्रतिवेदन की समीक्षा बैठक सुबह 11 बजे से मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल में होगी।कांफ्रेंस में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक कांफ्रेंस के बिंदुओं के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा होगी।मंत्रालय में होने वाली इस कांफ्रेंस में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित होंगे जबकि कलेक्टर,कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता करेंगे।

वृद्धाश्रम पहुंचकर सीएमएचओ ने वृद्धजनों के स्वास्थ्य का किया परीक्षण

रायसेन (निप्र)। रायसेन स्थित महात्मा गांधी वृद्धाश्रम में शनिवार को सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री द्वारा पहुंचकर वृद्धजनों के स्वास्थ्य की जांच की गई। उन्होंने वृद्धाश्रम संचालक स्टॉफ को सर्दी के मौसम के दृष्टिगत आवश्यक परामर्श देते हुए वृद्धजनों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने वृद्धजनों से संवाद भी किया।

"संकल्प से समाधान" अभियान के तहत शिविर लगाकर प्राप्त किये जा रहे आवेदन

हरदा (निप्र)। शासन के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं/ सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए दिनांक 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक विशेष अभियान संकल्प से समाधान अभियान जिले में चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शासन के विभिन्न विभागों की 106 योजनायें सम्मिलित की गई हैं। अभियान के तहत ग्राम पंचायत एवं नगरीय वार्डों में सर्वे दल द्वारा डोर-टू-डोर सर्वे करके एवं शिविरों का आयोजन कर आवेदनों का एकत्रिकरण किया जा रहा है तथा क्लस्टर स्तर पर संबंधित विभागों या अधिकारियों को निराकरण हेतु प्रेषित किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिले के ग्राम करणपुरा व कांकरिया, हरदा के कहार समाज धर्मशाला खेड़ीपुरा, खिरकिया के वार्ड क्रमांक 10 अन्नपुर्णा मंदिर क्षेत्र तथा टिमरनी के वार्ड क्रमांक 2 व 15 में शिविर आयोजित कर आवेदन प्राप्त किये गये। इसी प्रकार ग्राम रेल्वा व कचबेड़ी सहित अन्य ग्राम पंचायतों व वार्डों में डोर टू डोर सर्वे कर ग्रामीणों से आवेदन प्राप्त किये गये।

सीएमएचओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सांची का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। जिले में शासकीय अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिले, इसके लिए कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री द्वारा शासकीय अस्पतालों और स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को सीएमएचओ डॉ खत्री द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सांची पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने बीएमओ, डॉक्टर्स तथा स्टॉफ की बैठक लेकर उन्हें मरीजों को त्वरित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा सार्थक एप से उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए। साथ ही सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों की भी जानकारी ली। इसके उपरांत पुलिस द्वारा प्रदाय मेडिकोलीगल प्रकरण भी देखे तथा निराकरण हेतु निर्देशित किया।

मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

सीहोर (निप्र)। सीहोर के प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज एवं शासकीय विधि महाविद्यालय द्वारा एक दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन एवं जागरूकता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में बढ़ते आत्महत्या के मामलों की रोकथाम करना तथा शिक्षण संस्थाओं में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता स्थापित करना था। कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा ने शैक्षणिक संस्थाओं में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य वातावरण निर्माण के लिए भूटान का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रसन्नता बाह्य संसाधनों पर निर्भर नहीं होती।

इस दौरान डॉ. प्रियंका लेंका ने आत्महत्या से जुड़े जोखिम कारकों और चेतावनी संकेतों से संबंधित जानकारी दी। डॉ. अनीशा इज़क ने 'मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ एवं उपलब्ध संसाधन' विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सरकारी स्तर पर उपलब्ध मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, परामर्श सुविधाओं तथा सहायता संसाधनों के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजकुमार साहू, डॉ. राजेन्द्र कुमार जुगादे, डॉ. कैलाश कुमार ठाकरे, डॉ. देवेंद्र कुमार वरवड़े सहित अनेक कॉलेजों के प्राचार्य, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

नि:शुल्क कृत्रिम हाथ शिविर में 53 हितग्राहियों को कृत्रिम हाथ किए प्रदाय

बैतूल (निप्र)। बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में जिले में पहली बार जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क इलेक्ट्रानिक कृत्रिम हाथ उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मप्र व इनाली फाउण्डेशन के सहयोग से जिला चिकित्सालय बैतूल के क्रिटिकल केयर यूनिट में आयोजित शिविर के द्वितीय दिवस शनिवार को 53 हितग्राहियों को निःशुल्क कृत्रिम हाथ लगाए गए।

इस अवसर पर जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य श्री सुधाकर पंवार द्वारा शिविर का अवलोकन किया गया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जरूरतमंद हितग्राहियों को कृत्रिम हाथ लगाए जाने के लिए आयोजित शिविर विभाग की अनुकरणीय पहल है। हितग्राही कृत्रिम हाथ लगने के बाद सारे कार्य कर पा रहे हैं। कृत्रिम हाथ से पानी पी रहे है। इस अवसर पर जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य श्री कांतू दीक्षित एवं श्री अनिल कुशवाह, श्री विक्रम वैद्य मौजूद रहे। सीएमएचओ डॉ. हुरमाडे ने कृत्रिम हाथ लगवा चुके हितग्राहियों का स्वागत कर उनसे चर्चा की और उन्हें यह भी बताया कि इनाली फाउण्डेशन टीम द्वारा आपको दी गई समझाइश अनुसार कृत्रिम हाथ का उपयोग दैनिक जीवन में करें। आरबीएसके मैनेजर योगेन्द्र दवण्डे ने बताया कि 17 जनवरी को आयोजित शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसदेही के 07, चिचोली के 10, आठनेर के 03, आमला के 09, मुलताई के 05, शहरी क्षेत्र बैतूल के 07, भीमपुर के 06, सेहरा के 04, प्रभात पट्टन के 02 इस प्रकार कुल 53 हितग्राहियों को कृत्रिम हाथ लगाए गए।

खेलों एमपी यूथ गेम्स वर्ष 2025-26 के तहत बैतूल विकासखंड स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन

बैतूल (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा 'खेलों एमपी यूथ गेम्स' वर्ष 2025-26 के तहत बैतूल विकासखण्ड स्तरीय चयन ट्रायल 17 जनवरी को पुलिस ग्राउंड बैतूल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला सलाहकार समिति सदस्य श्री सुधाकर पंवार, श्री योगी खण्डेलवाल, श्री इन्द्रसेन ठाकुर उपस्थित थे। मुख्य अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चे खेल के माध्यम से अपना शारीरिक एवं मानसिक विकास कर सकते है। पढ़ाई के साथ खेलना भी स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद रहता है। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती पूजा कुरील ने बताया कि बैतूल विकासखण्ड स्तरीय चयन स्पर्धा एवं प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों जैसे- हॉकी, फुटबॉल, व्हालीवाल, कबड्डी, रस्साकशी, पिट्ठू, खो-खो, बैडमिंटन, शतरंज योगासन, एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग, बॉक्सिंग, जूडो,

कुश्ती, मलखम्ब, टेबल टेनिस एवं टेनिस का आयोजन किया गया। विकासखण्ड स्तरीय चयन स्पर्धा एवं प्रतियोगिता में जिला शिक्षा विभाग एवं खेल संघों के संयुक्त समन्वयक से विकासखण्ड स्तरीय चयन स्पर्धा एवं प्रतियोगिता का आयोजन विभिन्न स्थलों पुलिस ग्राउंड खेल मैदान, लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम बैतूल, मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम बैतूल, पीएमश्री जयवंती हॉस्कर महाविद्यालय बैतूल, कन्या क्रीडा परिसर बैतूल में आयोजित की गई।

उदयपुरा जनपद पंचायत प्रांगण में भर्ती शिविर आयोजित

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में संस्था एसएससीआई नीमच द्वारा जनपद पंचायत स्तर पर जिला पंचायत और मप्र डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए भर्ती शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 16 जनवरी को उदयपुरा जनपद पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों व शहरी क्षेत्र के 31 युवाओं ने भाग लिया। नीमच से आए भर्ती आधिकारी श्री अरविंद सिंह ने मापदंड के आधार पर 11 युवाओं का चयन किया। इन चयनित युवाओं को नीमच में 1 माह के प्रशिक्षण उपरांत 65 वर्ष तक औद्योगिक क्षेत्रों, पर्यटन स्थलों आदि में सुरक्षा गार्ड या सुपरवाईजर की नौकरी दी जाएगी।

दो दिवसीय सेमिनार एवं कृषक प्रशिक्षण का जिला पंचायत सीईओ ने किया शुभारंभ

सीहोर (निप्र)। उद्यानिकी विभाग द्वारा भाऊखेड़ी के आजीविका पार्क मैं एकीकृत बागवानी मिशन के अंतर्गत दो दिवसीय जिला स्तरीय सेमिनार एवं किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि उद्यानिकी फसलों की खेती में उन्नत तकनीकों को अपनाना चाहिए। इससे न सिर्फ बेहतर उत्पादन होगा, बल्कि किसानों की आय में भी बढ़ोत्तरी होगी। कार्यक्रम में आरएके कृषि महाविद्यालय के डॉ आईएस नरुका द्वारा प्याज एवं लहसुन और उत्पादन की उन्नत तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान किसानों को अश्वगंधा की खेती के लाभों के बारे में बताया गया और अश्वगंधा की खेती के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर अमित शर्मा, श्री दीपक कुशवाहा, एनआरएलएम के डीपीएम श्री दिनेश बरफा, श्री राजमोहन पंथी, सहायक संचालक श्री जगदीश सिंह मुजाल्दा सहित अन्य अधिकारी एवं किसान उपस्थित थे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने किया उप स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

हरदा (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने शुक्रवार को उप स्वास्थ्य केन्द्र अबगांवकला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र पर बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जा रहा था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिंह ने स्वास्थ्य केन्द्र की साफ सफाई, बिजली एवं पानी की समस्या की जानकारी ली। संस्था के कार्यों एवं रिकार्ड का सत्यापन किया तथा ग्राम में हाई रिस्क महिलाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होने जिन महिलाओं के हीमोग्लोबीन कम है, उन्हें तत्काल आयरन सुक्रोज एवं ब्लड चढ़वाने के लिये स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया। उन्होने सेन्टर पर नागरिको की मानसिक रोग से संबंधित काउन्सलिंग करने के निर्देश भी दिये। उन्होने बायोमेडिकल वेस्ट का नियमानुसार निपटान करने एवं केन्द्र के आस पास साफ-सफाई रखने के निर्देश उपस्थित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ को दिये। निरीक्षण के दौरान सीएचओ सुश्री कंचन, एएनएम श्रीमति पुष्पा चौरे, आशा कार्यकर्ता श्रीमति दीपिका विश्नोई, ग्रामीण एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी स्कूटी, 3 छात्रों की मौत,दो नाबालिग आपस में चचेरे भाई

नर्मदापुरम के सोहागपुर से कोचिंग से घर लौट रहे थे

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर क्षेत्र में करणपुर के पास धान से भरी खड़ी ट्रॉली से छात्रों की गाड़ी टकरा गई। हादसे में 9वीं के तीन छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों छात्र ग्राम आमदेही के रहने वाले थे। इनमें दो छात्र चचेरे भाई बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने शवों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए। मौके पर तहसीलदार नीरू जैन, सोहागपुर थाना प्रभारी उषा मरावी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष राघवेंद्र रघुवंशी सहित पुलिस बल मौजूद रहा। तीनों शवों को मॉर्चुरी में रखवाया गया है। आज पोस्टमॉर्टम होगा।

गांव से रोजाना से 5 किमी दूर सोहागपुर आते थे

जान गंवाने वाले छात्रों के नाम अश्विन पिता ललित रघुवंशी, शिव पिता रामेश्वर रघुवंशी और मनुराज पिता प्रवीण रघुवंशी तीनों निवासी ग्राम आमदेही है। तीनों सोहागपुर की सेंट पेट्रिक स्कूल के स्टूडेंट थे। रोजाना वे आमदेही से 5 किमी दूर सोहागपुर आते थे। शनिवार रात 8.30 बजे वे कोचिंग से घर लौट रहे थे। ग्राम करणपुर चौधरी पेट्रोल पंप के पास ओला स्कूटी धान से भरी ट्रॉली से जा टकराई। जिसमें स्कूटी सवार तीनों नाबालिगों की मौके पर मौत हो गई।

ट्रॉली से टकराने की दूसरी घटना, रेडियम लगाने की मांग

सोहागपुर क्षेत्र में हफ्ते भर के भीतर ट्रॉली से टकराने की यह दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले शोभापुरा के पास एक कार धान से भरी ट्रॉली से टकरा गई थी, जिसमें कार सवार युवक फंस गए थे और उन्हें काफी मशक्कत के

बाद बाहर निकाला गया था। क्षेत्र में इन दिनों बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से धान का परिवहन किया जा रहा है। ट्रॉलियों के पीछे रेडियम और पर्याप्त लाइट न होने के कारण रात के समय हादसों का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ट्रॉलियों में अनिवार्य रूप से रेडियम और लाइट लगाने की मांग की है।

एसआईआर के बाद सरकार ऐक्शन मोड में

फरवरी में बदलाव के पहले कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के ऐक्शन प्लान की रिपोर्ट लेंगे सीएस

भोपाल (नप्र)। चुनाव आयोग द्वारा 22 साल बाद कराई गई एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) की प्रक्रिया पूरी होने और प्रशासनिक सिस्टम की अत्यधिक सक्रियता थमने के बाद अब राज्य सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्राथमिकताओं वाले कामों की समीक्षा में जुट गई है। सरकार अब जिलों में पदस्थ कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के परफॉर्मेंस डेटा की गहन पड़ताल कर रही है, ताकि आगामी तबादलों को लेकर ठोस निर्णय लिया जा सके।

दरअसल, 21 फरवरी को चुनाव आयोग का तबादलों पर लगा अघोषित प्रतिबंध खत्म होने वाला है। इसके बाद बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। ये तबादले इसलिए भी लंबे समय से प्रतीक्षित हैं, क्योंकि कई जिलों में पदस्थ एसपी अब डीआईजी पद पर पदोन्नत हो चुके हैं, वहीं कलेक्टरी कर रहे कई आईएएस अधिकारी सचिव पद पर प्रमोट हो चुके हैं।

ऐसे बदलती रही तारीख पर तारीख- कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में कलेक्टरों, कमिश्नरों, पुलिस अधीक्षकों और अन्य अधिकारियों के लिए जो वर्किंग एजेंडा तय किया गया था उसकी समीक्षा सीएस अनुराग जैन 31 दिसंबर 2025 को करने वाले थे। फिर इसमें बदलाव हुआ और बैठक 5 जनवरी 2026 तय हुई। तब भी बैठक नहीं हुई और 15 जनवरी तय की गई। यह बैठक भी नहीं हो पाई। अब 21 जनवरी को सुबह 11 बजे बैठक होगी।

कमिश्नर, कलेक्टर ने मांगी रिपोर्ट- सीएस की बैठक की डेट फाइनल होने के बाद जिलों में कलेक्टर-कमिश्नर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से एजेंडावार रिपोर्ट मांगी है, ताकि उसे शासन को भेजा जा सके और बैठक में सीएस के सवालों का जवाब दिया जा सके। इस बैठक में पुलिस, जिला पंचायत, बिजली, नगरीय विकास समेत अन्य विभागों के 85 मुद्दों पर रिपोर्ट तैयार करने और जनहित के मामलों में एक्टिव रहने के लिए कहा गया है।

ये एसपी बन चुके हैं डीआईजी- इनके अलावा जिन पुलिस अधीक्षकों की जिलों में पोस्टिंग है और डीआईजी बनाए जाने के चलते उनके तबादले हो सकते हैं उनमें खंडवा एसपी मनोज कुमार राय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रेडियो पीएचक्यू रियाज इकबाल, एसआरपी रेल भोपाल राहुल कुमार लोढा, एसआरपी जबलपुर सिमाला प्रसाद, एसपी भिंड असित यादव, एसपी धार मयंक अवस्थी, डीसीपी जोन 2 नगरीय पुलिस भोपाल विवेक सिंह, डीसीपी जोन 2 नगरीय पुलिस इंदौर कुमार प्रतीक, एसपी झाबुआ शिवदयाल और एसपी रीवा शैलेंद्र सिंह चौहान के नाम शामिल हैं।

जिलों में पदस्थ आईएएस, आईपीएस की होगी नई पोस्टिंग

राज्य सरकार ने एक जनवरी से 71 आईएएस, दो दर्जन आईपीएस को सीनियर पदों पर प्रमोट किया है। इसमें सचिव पद पर प्रमोट हो चुके भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के अलावा अपर सचिव पद पर प्रमोट हो चुके 11 जिलों के कलेक्टर भी शामिल हैं।

इनमें धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, नरसिंहपुर कलेक्टर रजनी सिंह, नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना, सतना कलेक्टर सतीश कुमार एस, मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा, सागर कलेक्टर संदीप जी आर, राजगढ़ कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा, इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा, जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, अपर आयुक्त राजस्व जबलपुर संभाग अमर बहादुर सिंह, पांढुर्णा कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ, गुना कलेक्टर किशोर कुमार कान्याल के नाम शामिल हैं।

अपर सचिव पद पर प्रमोट होने वालों को सरकार रियायत दे सकती है पर सचिव बनने वाले अधिकारी तो हटाए ही जाएंगे। साथ ही जिन अफसरों के तीन साल के कार्यकाल पूरे हो रहे हैं, उन्हें भी हटाया जा सकता है।

कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस के एक्शन प्लान की समीक्षा

करीब साढ़े तीन माह पहले भोपाल में आयोजित दो दिवसीय कमिश्नर्स-कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में सरकार ने विभिन्न विभागों और जिलों के लिए एक विस्तृत ऐक्शन प्लान तय किया था। अब उसी ऐक्शन प्लान की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव ने एक बार फिर बैठक की तारीख तय की है। यह बैठक अब तक तीन बार स्थगित हो चुकी है और चौथी बार 21 जनवरी को होने का प्रस्ताव है। इस बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन जिलों से सीधे फीडबैक लेंगे कि सरकार द्वारा तय किए गए ऐक्शन प्लान पर किस जिले ने कितना काम किया है। इसी फीडबैक और आंकड़ों के आधार पर कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक इस समीक्षा के बाद ही सरकार तबादलों और नई पदस्थापनाओं को लेकर अंतिम निर्णय लेगी। ऐसे में आगामी दिनों में प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज होने के संकेत हैं।

आंकड़ों में मप्र बाल अपराधों में रहा अव्वल

बाल विवाह- बच्चों की तस्करी जैसे मामलों में एआई की मदद से निगरानी

भोपाल (नप्र) लगातार बाल अपराधों में अव्वल मप्र अब एआई से लैस रक्षा एप से बच्चों से जुड़े अपराधों पर निगरानी कर लगाम कसेगा। हाल ही में 250 बाल अधिकार संगठनों के प्रतिनिधि समूह 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन' ने रक्षा एप लॉन्च किया है। एप बाल विवाह और बच्चों की तस्करी वाले संवेदनशील क्षेत्रों और समूहों पर निगरानी रखकर बाल अपराधों की रोकथाम में मदद करेगा।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में बच्चों के खिलाफ अपराधों के 177335 मामले दर्ज किए गए, जिसमें 22,393 मामलों के साथ मध्य प्रदेश शीर्ष पर रहा है। बाल अपराधों में कमी लाने और निगरानी बढ़ाने के लिए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन ने एआई तकनीक से लैस एप विकसित किया है। एप का एक टूल बाल ऑनलाइन यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री के निर्माण, उसके अपलोड, डाउनलोड की मैपिंग करता है।

बाल अपराधों में भोपाल आगे- एनसीआरबी रिपोर्ट के मुताबिक भोपाल में बाल अपराधों की दर सबसे अधिक 6 प्रतिशत है। इंदौर में 5.6, रीवा में 5.4 प्रतिशत है। 2023 में राजधानी में बाल अपराधों के कुल 1354 मामले दर्ज हुए थे, इंदौर में 1256 तो रीवा में 1214 मामले दर्ज हुए थे।

मप्र में बाल विवाह रही है समस्या

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2023 से अगस्त 2025 के बीच मप्र के 41 जिलों में 36,838 बाल विवाह रुकवाए गए हैं। वहीं, मानव तस्करी के शिकार 4,777 बच्चों को मुक्त कराया गया है। यौन शोषण के शिकार 1200 से अधिक बच्चे शिकार हुए हैं। मप्र के कुछ जिलों जैसे राजगढ़ में बाल विवाह की दर 46.0, श्योपुर में 39.5, छतरपुर में 39.2, झाबुआ में 36.5 और आगर मालवा जिले में 35.6 प्रतिशत है। राष्ट्रीय दर महज 23.1 प्रतिशत है।

माचलपुर में पिकअप वाहन में नाबालिग से दुष्कर्म

फोन कॉल से बहलाया, सुनसान जगह ले जाकर वारदात, पिता के पहुंचते ही भागा आरोपी

राजगढ़ (नप्र)। राजगढ़ जिले के माचलपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग के साथ पिकअप वाहन में दुष्कर्म करने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना रविवार रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। किशोरी की शिकायत पर पुलिस ने सोमवार को आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार घटना के समय 14 साल की नाबालिग अपने घर पर पढ़ाई कर रही थी। इसी दौरान गांव के ही सूरज मालवीय ने उसे मोबाइल फोन कर बाहर घूमने चलने की बात कही। फोन आने पर किशोरी घर के बाहर निकली, जहां आरोपी पिकअप वाहन लेकर पहले से खड़ा था। भरोसा होने पर किशोरी उसके वाहन में बैठ गई।

बहाने से सुनसान जगह पर ले गया

आरोप है कि सूरज मालवीय नाबालिग को गांव के पास एक सुनसान स्थान पर ले गया, जहां पिकअप वाहन में ही उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया गया। इसी बीच नाबालिग के पिता उसे तलाशते हुए घर से बाहर निकल आए और घटनास्थल के पास पहुंच गए। पिता को आते देख आरोपी घबरा गया और नाबालिग को जबरन वाहन में बैठाकर वहां से भाग निकला।

इसके बाद आरोपी नाबालिग को गांव के पास लेकर छोड़कर मौके से फरार हो गया। जिसके बाद पीड़िता ने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना से परिजन स्तब्ध रह गए और तुरंत माचलपुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने मामला कायम किया है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं और संभावित ठिकानों पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

नाबालिग लड़की से गैंगरेप, वीडियो भी बनाया

मैहर में सब्जी लेने निकली थी, दो दोस्त पहाड़ी पर ले गए, 3 लोगों ने की वारदात

सतना (नप्र)। मैहर में 14 साल की नाबालिग लड़की से गैंगरेप का मामला सामने आया है। दरअसल, नाबालिग लड़की को उसके दो दोस्त बाइक से पहाड़ी पर घुमाने ले गए थे। लौटते समय 3 लोगों ने रास्ते में उन्हें रोक लिया। लड़की से अश्लील हरकत की। दोस्तों ने रोका तो उन्हें पीटा। इसके बाद तीन आरोपियों ने बारी-बारी से लड़के के साथ रेप किया।

पुलिस ने दो दोस्तों सहित 5 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। साथ ही तीन लोगों को हिरासत में लिया है। दो की तलाश जारी है। मामला शनिवार शाम का है।

सब्जी लेने घर से निकली थी नाबालिग- पुलिस के अनुसार, लड़की शनिवार शाम घर से सब्जी लेने के लिए निकली थी। इस दौरान रास्ते में उसके दो दोस्त मिल गए। वह उसे बाइक पर घुमाने के लिए पहाड़ी की तरफ ले गए। कुछ देर मंदिर में बैठने और आसपास घूमने के बाद जब तीनों लौट रहे थे तो रास्ते में एक बाइक पर सवार तीन लोगों ने उन्हें रोक लिया।

आरोपियों ने लड़की के साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं। जब लड़की के दोस्तों ने इसका विरोध किया तो दो आरोपियों ने उन्हें पकड़ लिया। इस दौरान एक आरोपी लड़की को पहाड़ी के पीछे ले गया और उसके साथ रेप किया। आरोपियों ने घटना का वीडियो भी बनाया।

इस दौरान रास्ते से गुजर रहे कुछ ग्रामीणों की नजर उन पर पड़ी। ग्रामीणों को देखते ही तीनों आरोपी मौके से भाग गए।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मी

ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और पीड़िता को थाने ले गए। परिजनों को भी थाने बुलाया और पूछताछ के बाद दो दोस्तों सहित पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पुलिस लड़की को घुमाने ले जाने वाले उसके दोस्तों से भी पूछताछ कर रही है।

गर्भवती और नवजात की देखरेख में लापरवाही, 106 को नोटिस

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी जिले में गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखरेख में बरती जा रही लापरवाही को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए 106 मैदानी स्वास्थ्य कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। यह कार्रवाई पिछोर और खनियाधाना विकासखंडों में हुई संयुक्त समीक्षा बैठक के बाद की गई है।

कलेक्टर के निर्देशों के पालन में स्वास्थ्य विभाग ने कुल 106 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। इनमें 16 आशा सुपरवाइजर, 18 एएनएम, 7 सीएचओ सहित अन्य मैदानी कर्मचारी शामिल हैं।

छिंदवाड़ा भाजपा अध्यक्ष का विवादित बयान

सांसद की मौजूदगी में बोले : छोटे समाज के लोग हमारे ऊपर आकर बैठ जाते हैं

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा जिले की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। पाल समाज के एक कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव का विवादित बयान सामने आया है, जिसके बाद ब्राह्मण समाज सहित कई वर्गों में नाराजगी देखने को मिल रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शेषराव यादव ने कहा कि छोटे-छोटे समाज के लोग हमारे ऊपर आकर बैठ जाते हैं। इसके बाद उन्होंने पंडित समाज पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनका काम पूजा-पाठ और ज्ञान देना है, लेकिन सत्ता हम ही चलाएंगे। यादव का यह बयान सांसद विवेक 'बंटी' साहू की मौजूदगी में दिया गया, जिससे मामला और ज्यादा संवेदनशील हो गया। अपने भाषण में यादव ने आगे कहा कि पंडित समाज पूजा भी करना चाहता है, ज्ञान भी देना चाहता है और सत्ता भी अपने हाथ में रखना चाहता है।

झाबुआ मेले में अचानक गिरा झूला, 15 स्कूली छात्राएं घायल

उत्कृष्ट मैदान में क्षमता से अधिक लोगों के बैठने पर हुआ हादसा

झाबुआ (नप्र)। झाबुआ के उत्कृष्ट मैदान में चल रहे 'महाराज नो मेलो' में सोमवार शाम को नाव झूला अचानक गिर गया। घटना में उत्कृष्ट स्कूल की 15 छात्राएं घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि झूले पर तय क्षमता से ज्यादा बच्चों के बैठने के कारण यह हादसा हुआ। सभी घायलों को तुरंत जिला अस्पताल झाबुआ भेजा गया गया।

पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा- दोपहर करीब 4 बजे हुए हादसे की जानकारी मिलते ही एसपी डॉ. शिवदयाल सिंह के साथ पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और मेले की व्यवस्थाओं की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, उत्कृष्ट स्कूल मैदान में चल रहे मेले में सोमवार

दोपहर को उत्कृष्ट स्कूल की छात्राएं गईं थी। इस दौरान करीब 4 बजे नाव झूला अचानक गिर गया। हादसे में स्कूल की 15 छात्राएं घायल हो गई। सभी का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

छह साल से लग रहा है मेला- स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मेला झाबुआ में पिछले छह वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। महाराज नो मेला हर साल 1 जनवरी से 20 जनवरी तक चलता है। मेले में दिन-रात लोगों की भीड़ रहती है, खासकर महिलाओं और आसपास के गांवों व कस्बों से आने वाले लोगों की संख्या ज्यादा होती है।

5 बड़े और 25 छोटे झूले लगे- मेले में पांच से ज्यादा बड़े झूले और करीब 25 छोटे झूले लगाए गए हैं। इसके अलावा खरीदारी के लिए कई दुकानें और स्टॉल भी लगे हुए हैं। मेले का आयोजन हिंदू संगठनों द्वारा दिवंगत आदिवासी संत खूमसिंह महाराज की याद में किया जाता है। प्रशासन अब मामले की जांच कर रहा है कि झूले की अनुमति और सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं।

जबलपुर हिट एंड रन केस

मृतकों की संख्या पहुंची पांच, परिजनों ने जाम किया रोड, 25 लाख मुआवजे की मांग

हिरासत में गाड़ी मालिक, ड्राइवर की तलाश

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर हिट एंड रन केस में मृतकों की संख्या पांच हो गई है। इसके बाद आक्रोशित परिजनों ने जबलपुर-मंडला मार्ग को जाम कर दिया है। मृतक के परिवार के लिए सरकारी नौकरी और 25 लाख रुपए की मांग कर रहे हैं। लोगों के प्रदर्शन की वजह से सड़क जाम है।

खाना खा रही महिला मजदूरों को रौंदा- दरअसल, जबलपुर-बरेला मार्ग पर तेज रफ्तार कार चालक सड़क किनारे खाना खा रही महिला मजदूरों के समूह को रौंदते हुए भाग गया। कार की चपेट में आने के कारण 14 महिला मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गयीं। जिन्हें उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती किया गया है। दो की मौत मौके पर हो गई थी। वहीं, तीन महिलाओं की मौत इलाज के दौरान हो गई है। दो मजदूरों की हालत गंभीर बनी हुई है।

पेंट कर रहे थे मजदूर

बरेला थाना प्रभारी अनिल पटेल ने बताया कि जबलपुर-मंडला रोड स्थित सिग्मा सिटी के सामने सड़क किनारे लगी लोहे की ग्रील में मजदूर वर्ग पेंट करने का कार्य कर रहे थे। महिला मजदूरों का समूह दोपहर लगभग डेढ बजे संयुक्त रूप से सड़क किनारे बैठकर भोजन कर रहा था। इसी दौरान बरेला से जबलपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार कार के चालक ने मजदूरों के समूह को रौंद दिया। मजदूरों को रौंदने के कारण चालक तेज रफ्तार में कार लेकर जबलपुर की तरफ भाग गया। कार की चपेट में आने के कारण 14 मजदूरें घायल हो गये। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया।

अस्पताल में तीन की मौत

अभी तक चौनवती, लच्छो बाई, गोमती बाई, वर्षा बाई और कृष्णा बाई की मौत हो गई है। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद सभी मजदूरों के शवों को पोस्टमार्ट्म के लिए भिजवा दिया। पुलिस ने आरोपी कार चालक की पहचान कर ली है।

दो-दो लाख का मुआवजा

एनएचएआई के द्वारा मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए आर्थिक सहायत प्रदान की जायेगी। जिसमें से एक-एक लाख रुपए तत्काल सहायता के रूप में प्रदान किए गए हैं।

25 लाख मुआवजे की मांग

वहीं, लोगों ने जबलपुर मंडला मार्ग को जाम कर दिया है। साथ ही मांग की है कि मृतक के परिजनों को 25-25 लाख रुपए मुआवजा राशि दी जाए। साथ ही उन्हें सरकारी नौकरी भी दी जाए। मौके पर पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारी समझाइश दे रहे हैं।

हाथों के बल उलटा चलकर 3500 किमी की नर्मदा परिक्रमा

24 साल के धरमपुरी महाराज खाते हैं एक रोटी, अमेरिका से आए साइंटिस्ट कर रहे रिसर्च

डिंडौरी (नप्र)। पिछले साल का प्रयागराज महाकुंभ मेला, तो याद होगा ही। यहां हजारों अघोरियों के हठ योग का अलग-अलग तरीका था। हठयोग का ऐसा ही नजारा इन दिनों मध्यप्रदेश में देखने मिल रहा है। निरंजनी अखाड़े के संत धरमपुरी महाराज अधोमुखी नर्मदा परिक्रमा पर निकले हैं।

उन्होंने 3500 किमी की यात्रा हाथों के सहारे चलते हुए यानी हैंड वॉकिंग का संकल्प लिया है। उनकी आस्था का ये रूप जितना अनोखा है, उतना ही कठिन भी है। इस पर अमेरिया से आए उनके एक साइंटिस्ट शिष्य रिसर्च भी कर रहे हैं। आमतौर पर लोग नर्मदा परिक्रमा पैदल, दंडवत या वाहनों से करते हैं, लेकिन धरमपुरी महाराज ने इसे साधना और तपस्या का स्वरूप दिया है। उनका संकल्प विजयादशमी (2 अक्टूबर 2025) से नर्मदा के उद्गम स्थल अनूपपुर जिले के अमरकंटक से शुरू हुआ। यात्रा पूरी करने में 12 साल लगेंगे। यानी ये 2037 में पूरी होगी। इस दौरान वे करीब साढ़े तीन हजार किलोमीटर की दूरी तय करेंगे।

अब तक 105 किलोमीटर का सफर तय कर चुके- हाल ही में धरमपुरी महाराज डिंडौरी से 12 किलोमीटर दूर छपरी गांव पहुंचे। घाटी वाले डिंडौरी-मंडला स्टेट हाईवे किनारे उन्होंने शिष्यों के साथ विश्राम के लिए पड़ाव डाला। जैसे ही, ये खबर लोगों तक पहुंची, ग्रामीण उनके दर्शन के लिए पहुंचने लगे।यहां जो भी आ रहा था, वो हांफ रहा था, क्योंकि धरमपुरी महाराज ने जो दूरी तय की है, वो चढ़ाई वाली और कठिन भी है। कुछ देर

12 साल का हुआ तो गुरु ने नर्मदा परिक्रमा की आज्ञा दी

धरमपुरी महाराज आगे बताते हैं, सात साल का था, तब पहली बार संतों के साथ बस से भारत भ्रमण पर गया। 12 साल का हुआ, तो गुरु ने नर्मदा परिक्रमा की आज्ञा दी। फिर तो परिक्रमा में ऐसा मन रमा कि एक के बाद एक तीन परिक्रमा और कर ली।

अब कभी माता-पिता के बारे में सोचता हूं, तो लगता है, वे जहां भी होंगे, मुझे देखकर खुश जरूर होंगे कि मैं मानवता के कर्म में लगा हूं। मुझे तो कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं अपने हाथों से चल रहा हूं। जब परिक्रमा करता हूं, तो महसूस होता है, जैसे मां मेरी की उंगली पकड़कर अपने साथ लेकर जा रही हैं।

लोगों से मिलने के बाद वे अपने टेंट में चले गए। उनके साथ चल रहे लोगों ने सभी से सुबह आने कहा।

रोजाना तड़के 3 बजे से शुरू होती है दिनचर्या- धरमपुरी महाराज ने बताया कि रोजाना तड़के तीन बजे से दिनचर्या शुरू हो जाती है। स्नान के बाद भगवान के लिए प्रसाद तैयार करते हैं। फिर उनको पूजन के लिए जगाते हैं। सर्दी है, इसलिए सुबह 9-10 बजे के बीच परिक्रमा शुरू करते हैं। इससे पहले जो लोग आते हैं, उनसे मिलना होता है।

एक दिन में दो-ढाई किलोमीटर परिक्रमा करते हैं। कहीं-कहीं एक-दो दिन विश्राम कर लेते हैं। मां का आशीर्वाद है कि न हाथों में छाले है और न शरीर में दर्द। साथी जहां टेंट लगा देते हैं, वहीं विश्राम कर लेते हैं।

पैरों की जगह हाथों के सहारे चलने की बात पर धरमपुरी महाराज बिना कुछ सोचते हुए कहते हैं- गुरुजी का आदेश हुआ कि मुझे अधोमुखी परिक्रमा करनी है। फिर क्या था, विजयादशमी पर अमरकंटक में मां नर्मदा के उद्गम स्थल माई की बगिया से शुरू कर दी परिक्रमा।

महाराज कुछ और कहना चाहते थे, इतने में ही वहां मौजूद उनके गुरु शंकरपुरी महराज कहते हैं कि शिष्य तो भोलेनाथ की कृपा से मिला है। वे रामायण के अयोध्या कांड की चौपाई सुनाते हैं

सिर भर जाउं उचित अस मोरा। सब तें सेवक धरमु कठोरा॥
देखि भरत गति सुनि मृदु बानी। सब सेवक गन गरहिं गलानी।।

चौपाई का अर्थ समझाते हुए शंकरपुरी महाराज कहते हैं, वनवास के दौरान भरत कहते हैं कि जिस मार्ग से भगवान राम, माता जानकी के साथ पैदल चले हों, उस मार्ग पर जूते पहनकर नहीं जा सकता। मुझे तो सिर के बल जाना चाहिए। उनकी बात सुनकर वहां मौजूद लोग प्रशंसा करने लगे। इसी भाव के साथ मैंने शिष्य से पूछा, तो वह तैयार हो गया। मैं उसका साथ देने आ जाता हूं। परिक्रमा पूरी करने में 12 साल लगेंगे। गर्मी में थोड़ा सुबह जल्दी परिक्रमा शुरू होगी। बारिश में चातुर्मास काटना ही होता है।